स्मार्ट-स्किल

ृशैक्षिक सत्र & 2021 & 22

हिंदी

कक्षा&दसवीं

कक्षा - दसवीं

पाठ्यक्रम

मार्च–मई	स्पर्श	–	बड़े भाई साहब
			डायरी का एक पन्ना
			कबीर की साखी
			मीरा के पद
	संचयन	–	हरिहर काका
	व्याकरण	–	शब्द और पद, समास
	अपठित बोध	–	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश
	रचना	–	अनुच्छेद–लेखन, औपचारिक पत्र–लेखन, संवाद–लेखन, विज्ञापन, पदबंध
जुलाई	स्पर्श	–	तताँरा–वामीरो कथा,
			बिहारी के दोहे
			पर्वत प्रदेश में पावस
			तोप
	व्याकरण	–	वाक्य, अशुद्धि–शोधन
	अपठित बोध	–	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश
	रचना	–	पत्र–लेखन, अनुच्छेद–लेखन
अगस्त	संचयन	–	सपनों के–से दिन
	व्याकरण	–	मुहावरे
	अपठित बोध	–	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश
	रचना	–	संवाद–लेखन, विज्ञापन, सूचना–लेखन
सितंबर	स्पर्श	–	अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले मनुष्यता कर चले हम फिदा
	व्याकरण	–	पुनराव त्ति
	अपठित बोध	–	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

अक्टूबर	स्पर्श	–	पतझड़ में टूटी पत्तियाँ
			आत्मत्राण
	संचयन	–	टोपी शुक्ला
	व्याकरण	–	पुनराव त्ति
	अपठित बोध	–	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश
	रचना	–	पुनराव त्ति
नवम्बर	स्पर्श	–	कारतूस
	व्याकरण	–	पुनराव त्ति
	अपठित बोध	–	पुनराव त्ति
	रचना	–	पुनराव त्ति

pls check and arrange पाठ्यक्रम according inside page.

मार्च–मई

बड़े भाई साहब (प्रेमचंद)

प्रश्न&1

(क) निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

सालाना इम्तिहान हुआ। भाई साहब फ़ेल हो गए, मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया। मेरे और उनके बीच में केवल दो साल का अंतर रह गया। जी में आया, भाई साहब को आड़े हाथों लूँ – 'आपकी वह घोर तपस्या कहाँ गई? मुझे देखिए, मज़े में खेलता भी रहा और दरजे में अव्वल भी हूँ।' लेकिन वह इतने दुखी और उदास थे कि मुझे उनसे दिली हमदर्दी हुई और उनके घाव पर नमक छिड़कने का विचार ही लज्जास्पद जान पड़ा। हाँ, अब मुझे अपने ऊपर कुछ अभिमान हुआ आत्म–सम्मान भी बढ़ा। भाई साहब का वह रौब मुझ पर न रहा।

क. इस गद्यांश के लेखक व पाठ का नाम लिखिए।

ख. सालाना इम्तिहान का क्या परिणाम निकला?

ग. लेखक को अपने ऊपर अभिमान क्यों हुआ?

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

घ. गद्यांश में से कोई एक मुहावरा छाँटकर वाक्य बनाइए।

(ख) अब भाई साहब बहुत कुछ नरम पड़ गए थे। कई बार मुझे डाँटने का अवसर पाकर भी उन्होंने धीरज से काम लिया। शायद अब वह समझने लगे थे कि मुझे डाँटने का अधिकार उन्हें नहीं रहा, या रहा भी, तो बहुत कम। मेरी स्वच्छंदता भी बढ़ी। मैं उनकी सहिष्णुता का अनुचित लाभ उठाने लगा। मुझे कुछ ऐसी धारणा हुई कि मैं पास हो ही जाऊँगा, पढ़ूँ या न पढ़ूँ, मेरी तकदीर बलवान है, इसलिए भाई साहब के डर से जो थोड़ा–बहुत पढ़ लिया करता था, वह भी बंद हुआ। मुझे कनकौए उड़ाने का नया शौक पैदा हो गया था और अब सारा समय पतंगबाज़ी को ही भेंट होता था, फिर भी मैं भाई साहब का अदब करता था और उनकी नज़र बचाकर कनकौए उड़ाता था। मांझा देना, कन्ने बाँधना, पतंग टूरनामेंट की तैयारियाँ आदि समस्याएँ सब गुप्त रूप से हल की जातीं थीं। मैं भाई साहब को यह संदेह न करने देना चाहता कि उनका सम्मान और लिहाज मेरी नज़रो में कम हो गया था।

क. भाई साहब के नरम पड़ने का क्या कारण था?

ख. लेखक की स्वच्छंदता कैसे बढ गई?

ग. लेखक को कौन–सा नया शौक पैदा हुआ?

प्रश्न&2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

क. बड़े भाई साहब के अंग्रेज़ी भाषा के विषय में क्या विचार थे?

ख. अपने माता–पिता का उदाहरण देकर बड़े भाई साहब क्या स्पष्ट करना चाहते थे?

ग. छोटे भाई की शालीनता किस बात में थी? क्या उसने शालीनता निभाई?

साखी (कबीरदास)

प्रश्न&1 काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए:

(क) जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।
सब अंधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्यामाँहि।।
हम घर जाल्या आपणाँ, लिया मुराड़ा हाथि।
अब घर जालौं तास का, जे चलै हमारे साथि।।

क. यहाँ 'मैं' का आशय है?

ख. ईश्वर को दुनिया क्यों नहीं देख पाती?

ग. यहाँ 'घर' किसका प्रतीक है?

घ. कवि का 'घर' जलाने से क्या आशय है?

ड़. 'मुराड़ा' का यहाँ क्या अर्थ है ?

(ख) कस्तूरी कुंडलि बसै, म ग ढूँढै बन माँहि।
ऐसै घटि घटि राँम है, दुनियाँ देखै नाँहि।।

क. हिरन की कस्तूरी कहाँ विद्यमान रहती है?

ख. हिरन कस्तूरी को कहाँ–कहाँ ढूँढता है?

ग. कवि के अनुसार ईश्वर का निवास कहाँ है?

घ. दुनिया ईश्वर को क्यों नहीं ढूँढ पाती?

ड़. कवि और कविता का नाम लिखिए।

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

प्रश्न&2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

क. कबीर की नज़रों में 'पंडित' कौन है?

ख. निंदा सहन करने से क्या लाभ है?

<u>हरिहर काका</u> (मिथिलेश्वर)

प्रश्न&1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

क. गाँव की अपेक्षा ठाकुरबारी का अधिक विकास कैसे हुआ? वर्णन करिए।

ख. 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर लिखिए कि 'स्वार्थ–लिप्सा' के कारण आजकल पारिवारिक संबंध कैसे बनते–बिगड़ते हैं?

.

ग. व द्धों के लिए आश्रम बन रहे हैं– ऐसा क्यों हो रहा है, जानकारी प्राप्त करके अपने विचार व्यक्त कीजिए।

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

अपठित गद्यांश

अंग्रेजों के भारत आगमन से पूर्व भारत के गाँव अपने आपमें लगभग एक स्वतंत्र इकाई थे। प्रत्येक भारतीय गाँव आत्मनिर्भर था। भारतीय ग्रामीण जीवन सीधा–साधा था। क षि पर आधारित होने के कारण अधि ाकांश ग्रामीण केवल खेती करते थे। अकाल, बाढ़ आदि प्राक तिक तबाहियों से जब उनकी खेती चौपट होती, तो उनके रहन–सहन का ढंग भी तत्काल बदल जाता था। ऐसे में हस्त–शिल्पकारों को कहीं दूर जाकर कमाने की आवश्यकता होती थी और ज़मीन से न बँधे होने के कारण वे जहाँ चाहें, जा भी सकते थे। परंतु ऐसा जीवन जीने की अपेक्षा लोग अपनी ज़मीन पर खेती करना चाहते थे और ज़मीन की कोई कमी नहीं थी।

मुसलमान शासकों के राज्य में कर–वसूली का नियम लगभग अपने पूर्ववर्ती शासकों जैसा ही था। अमीरों को एक निश्चित क्षेत्र में आनेवाले गाँवों की कर–वसूली के लिए रखा जाता था। विदेशी होने के कारण वे रैयत से क्रूरता से पेश आते थे और खून–खराबा करते थे। परंतु वे जमीदार या अमीर, गाँव की क षि योग्य भूमि पर स्वयं काबिज नहीं, हो सकते थे। भूमि प्रजा की ही रही। इस प्रकार जमींदार या अमीर शासन के एजेंट थे। जुल्म और यंत्रणा की पराकाष्ठा के कारण ये ग्रामीण समाज पर दबाव बनाए रखते थे।

प्रश्न-

1- अंग्रेज़ो के आगमन से पूर्व भारतीय गाँवों की क्या स्थिति थी?

(क) गाँवों की बुरी दशा थी।

(ख) गाँव स्वतंत्र और आत्मनिर्भर थे।

(ग) गाँव पर ज़मीदारों का कब्ज़ा था।

(घ) गाँव अकाल, बाढ़ आदि से पीड़ित थे।

2- ग्रामीणों का मुख्य धंधा क्या था?

(क) हस्तशिल्प

(ख) पशु–पालन

(ग) खेती

(घ) मज़दूरी

3- प्राक तिक तबाही के समय क्या बदलाव आता था?

(क) हस्त शिल्पकारों को कमाई के लिए गाँव से दूर जाना पड़ता था।

(ख) खेती करने वाले भी दूसरे स्थानों पर जाकर रहने लगते थे।

(ग) वे अपनी ज़मीनें बेच देते थे।

(घ) वे हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते थे।

4- मुगलों के शासनकाल में अमीर या ज़मीदार का क्या काम था?

(क) उनका काम कर वसूल करना था।

(ख) वे गाँव की ज़मीन के मालिक होते थे।

(ग) वे शासन के एजेंट होते थे।

(घ) वे गाँव की देखभाल करते थे।

5- ज़मींदार या अमीर गाँव की जनता पर जुल्म क्यों करते थे?

(क) अपने स्वार्थ के लिए।

(ख) विदेशी होने के कारण।

(ग) सरकार को खुश करने के लिए।

(घ) अपना दबाव बनाए रखने के लिए।

विद्यया च विमुच्यते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

समास

Ik'u 1- fuEufyf[kr ink dk mfpr foxg pfu,&

Hkyk&cjk	–	तीन भुजाएँ उपर्युक्त दोनो	भला या बुरा इनमें से काई नहीं
f=kHkqt	–	तीन भुजाएँ तीन भुजाओं का समूह	तीनों भुजाएँ इनमें से कोई नहीं
i:frfnu	–	दिन–दिन उपर्युक्त दोनों	हर–दिन इनमें से कोई नहीं
/kughu	–	धन से हीन धन में हीन	हीन धन इनमें से कोई नहीं
i;prÙo	–	तत्त्व है पाँच पाँच तत्त्वों का समूह	पाँच तत्त्व इनमें से कोई नहीं
egkRek	–	महान है ओ आत्मा उपर्युक्त दोनों	महान है आत्मा जिसकी (गाँधी) इनमें से कोई नहीं
'kkixLr	–	शाप के लिए ग्रस्त शाप से ग्रस्त	ग्रस्त है जो शाप इनमें से कोई नहीं
v/kf[kyk	–	आधा खिला आधे पर खिला	आधा है जो खिला इनमें से कोई नहीं
fon~;k/ku	–	विद्यारूपी धन विद्या के लिए धन	धन है जो विद्या इनमें से कोई नहीं
y[kifr	–	लाखों पति लाख पति	लाखों का स्वामी इनमें से कोई नहीं
ve`r /kkjk	–	अमर धारा धारा है अमृत	अमृत की धारा इनमें से कोई नहीं

gou lkexh	–	हवन के लिए सामग्री	सामग्री है जो हवन
		हवन का साधन	इनमें से कोई नहीं
'krkCnh	–	सौ वर्ष	सौ वर्षों का समूह
		शताब्दी रेलगाड़ी	इनमें से कोई नहीं
Ek?kukn	–	मेघ के समान नाद है जिसका अर्थात् (इंद्रजित)	
		मेघ का नाद	
		मेघ रूपी नदी	
		इनमें से कोई नहीं	
fxfj/kj	–	गिरि को धारण किया है जिसने अर्थात कृष्ण	
		गिरि के लिए धारण	
		धर है जो पर्वत	
		इनमें से कोई नही	
ijk/khu	–	परा है जो धीन	दूसरे के अधीन
		पराधी नहीं है जो	इनमें से कोई नहीं
Hkolkxj	–	भव का सागर	सागर है जो भव
		भव और सागर	भवरूपी सागर
noiwtk	–	देव या पूजा	देव और पूजा
		देवों की पूजा	इनमें से कोई नहीं
egktu	–	महज है नहीं	महान जन
	–	महान है जो जन	इनमें से कोई नहीं
Jenku	–	श्रम के लिए दान	श्रम का दान
		श्रम है जो दान	इनमें से कोई नहीं
ikieqDr	–	पाप और मुक्त	पाप या मुक्त
		पप से मुक्त	इनमें से कोई नहीं

विद्या च विमुच्यते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

Ykkpkj	–	बिना चारा के	चार लोगों के बिना
		चार के बिना	इनमें से कोई नहीं
;Fkkfpr	–	जैसा उचित हो	यथो और चित
		चित के अनुसार	इनमें से कोई नहीं
cxukg	–	जैसा उचित हो	यथो और चित
		चित के अनुसार	इनमें से कोई नहीं
vkej.k	–	गुनाह के बिना	बिना गुनाह के
		उपयुक्त दोनो	इनमें से कोई नहीं
v/kdi	–	अंधु का कुआँ	कुआँ है जो अंधो के लिए
		अंधा है जो कूप	इनमें से कोई नहीं
pØ/kj	–	अंधे का कुआँ	चक्र एव धर
		उपर्युक्त दोनों	इनमें से कोई नहीं
inekluk	–	पद्म पर आसीन हैं जो अर्थात् सरस्वती	
		पद्मा और सना	
		पद्मा या सना	
		इनमें से कोई नहीं	
?kj&?kj	–	घर और घर	घर या घर
		एक घर से दूसरे घर तक	इनमें से कोई नहीं
v'kekyh	–	अंशु और माली	अंशु का माली
		अंशुओ की माला है जिसकी (सूर्य)	
i;kx'kkyk	–	प्रयोग रूपी शाला	प्रयोग है जो शाला
		प्रयोग के लिए शाला	इनमें से कोई नहीं
Kkukftr	–	ज्ञान से अर्जित	अर्जित है जो ज्ञान
		ज्ञान के लिए अर्जित	इनमें से कोई नहीं

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

Ekj.kklUu – मरणा और सन्न | मरण के आसन्न
मरण तक आसन्न | इनमें से कोई नहीं

xaFkjRu – ग्रंथ से रत्न | गंथ रूपी रत्न
– ग्रंथों में रत्न | इनमें से कोई नहीं

izk.kfiz; – प्राणों से प्रिय | प्राण रूपी प्रिय
प्रिय रूपी प्राण | इनमें से कोई नहीं

iz'u 2- mfpr fodYi pqfu,&

dk;Z esa dq'ky
(क) कार्यकुशल – तत्पुरूष
(ख) कुशलकार्य – तत्पुरूष
(ग) कार्यकुशल – अत्ययीभाव
(घ) कार्यकुशल – बहुव्रीहि

dj :ih dey
(क) करकमल – तत्पुरूष
(ख) कमलकर – कर्मधारय
(ग) करकमल – कर्मधारय
(घ) इनमें से कोई नहीं

?ku ds leku ';ke
(क) घनश्याम – कर्मधारय
(ख) घनश्याम–कर्मधारय
(ग) समानधन – तत्पुरूष
(घ) इनमें से कोई नहीं

Ukhyh gS tks xk;
(क) नीलीगाय – तत्पुरूष
(ख) नीलगाय – तत्पुरूष
(ग) नीलगाय – कर्मधारय
(घ) नीलमगाय–द्विजु

Ukhyh gS tks xk;
(क) नीलीगाय – तत्पुरूष
(ख) नीलगाय – तत्पुरूष
(ग) नीलगाय – कर्मधारय
(घ) नीलमगाय–द्विजु

nku esa ohj
(क) दानवीर – अत्ययीभाव
(ख) दानीवीर – तत्पुरूष
(ग) वीरदानी – कर्मधारय
(घ) दानवीर–तत्पुरूष

विद्यया च विमुच्यते SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

Rkhu jx g ftl d vFkkr jk"V/ot

(क) तिरंगा – द्विगु (ख) तिरंगा – द्वंद्व

(ग) तिरंगा – बहुव्रीहि (घ) इनमें से कोई नहीं

vkKk d vuqlkj

(क) यथाज्ञा – तत्पुरूष (ख) आज्ञानुसार – द्वंद्व

(ग) यथाज्ञा – अत्ययीभाव (घ) इनमें से कोई नहीं

Pkkj ekl k dk leg

(क) चौमासा – अव्ययीभाव (ख) चौमासा – द्विगु

(ग) मासचार – तत्पुरूष (घ) इनमें से कोई नहीं

Ikt k vkj vpuk

(क) पूजा–अर्चना – द्वंद्व (ख) पूजार्चना – द्वंद्व

(ग) पुजार्चना – द्वंद्व (घ) इनमें से कोई नहीं

Rkhu u=k g ftl d ¼f'ko½

(क) त्रिलोकी – बहुब्रीहि (ख) त्रिनेत्रा – बहुव्रीहि

(ग) त्रिनेत्री – बहुव्रीहि (घ) इनमें से कोई नहीं

Ekfr d vuqlkj

(क) मतिअनुसार– अव्ययीभाव (ख) यथामति – तत्पुरूष

(ग) यथामति– अव्ययीभाव (घ) इनमें से कोई नहीं

vkB vkuk dk leg

(क) अष्टकोण – द्विगु (ख) अष्टान्न – द्विगु

(ग) अठन्नी – द्विगु (घ) इनमें से कोई नहीं

jl l Hkjh

(क) रसभरी – तत्पुरूष (ख) रसबेरी – तत्पुरूष

(ग) भररस – तत्पुरूष (घ) इनमें से कोई नहीं

विद्यया च विमुच्यते SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

tUe vkj eR;|

(क) जन्म–मरण – द्वंद्व
(ख) जन्म–मृत्यु– द्वंद्व
(ग) उपर्युक्त दोनों
(घ) इनमें से कोई नहीं

jktk dk egy

(क) नृपमहल – अत्ययीभाव
(ख) राजेंद्रआवास – तत्पुरूष
(ग) राजमहल – तत्पुरूष
(घ) इनमें से कोई नहीं

Ekx d leku ykpu

(क) मृगलोचन – कर्मधारय
(ख) मृगांक – कर्मधारय
(ग) हिरणनेत्री – कर्मधारय
(घ) इनमें से कोई नहीं

Hk[k l ejk

(क) मरभुख – तत्पुरूष
(ख) भुखमरी – तत्पुरूष
(ग) भुखमरा– तत्पुरूष
(घ) इनमें से कोई नहीं

L=kh : ih /ku

(क) स्त्रीधन – बहुव्रीहि
(ख) स्त्रीधन – कर्मधारय
(ग) धननारी – कर्मधारय
(घ) इनमें से कोई नहीं

de e vkLFkk

(क) कर्मनाशा – तत्पुरूष
(ख) कर्मास्था – तत्पुरूष
(ग) आस्थाकर्म – कर्मधारय
(घ) इनमें से कोई नहीं

,d Mky l nljh Mky rd

(क) प्रतिडाल – अत्ययीभाव
(ख) हरडाल – अत्ययीभाव
(ग) डाल–डाल तत्पुरूष
(घ) डाल–डाल–अव्ययीभाव

Lke; d vu|kj

(क) यथासमय – अत्ययीभाव
(ख) समयानुसार – तत्पुरूष
(ग) समयानुसार – अत्ययीभाव
(घ) (क) और (ग)

Tkhou Ik;Ir

(क) अजीवन – अत्ययीभाव
(ख) आजीवन – अत्ययीभाव
(ग) परिजीवन – अत्ययीभाव
(घ) इनमें से कोई नहीं

bykt dk fcuk

(क) बेइलाज़ – तत्पुरूष
(ख) बाइलाज़ – अत्ययीभाव
(ग) लाइलाज़ – अत्ययीभाव
(घ) इनमें से कोई नहीं

PkkjiFkk dk leg

(क) चतुष्पथ – द्विगु
(ख) चौपथ – द्विगु
(ग) चौराहा – द्वंद्व
(घ) इनमें से कोई नहीं

ykHk vkj vYkkHk

(क) लाभ अलाभ – द्वंद्व
(ख) लाभ–अलाभ – द्वंद्व
(ग) लाभालाभ – द्वंद्व
(घ) इनमें से कोई नहीं

,d uxj l nlj uxj rd

(क) प्रतिनगर– अत्ययीभाव
(ख) हरनगर – अत्ययीभाव
(ग) नगर–नगर – अत्ययीभाव
(घ) इनमें से कोई नहीं

?kj e okl

(क) घरवास – तत्पुरूष
(ख) गृहवास – तत्पुरूष
(ग) गृहवासी – तत्पुरूष
(घ) इनमें से कोई नहीं

Ekgku g tk no ¼f'ko½

(क) महानदेव – अर्मधारय
(ख) महादेव – कर्मधारय
(ग) महादेव – बहुव्रीहि
(घ) इनमें से कोई नहीं

अपठित गद्यांश

सन 1953 में प्रथम बार मुझे त्रिवांकुर (त्रावणकोर) जाते समय आंध्र, तमिलनाडु और केरल की एक झलक देखने को मिली। ग्रांड ट्रंक एक्सप्रेस शाम को नागपुर आती है। रात भर मध्य प्रदेश तथा हैदराबाद की सीमा में दौड़ती रहती है।

और सबेरे बेजवाड़ा पहुँचती है, जो आंध्र का एक प्रमुख नगर है। यहीं से मुझे ऐसा लगा कि मानो कोई नई दुनिया में प्रवेश हो रहा है। समुद्र की लहरों को छू–छू कर वायु बहने लगती है और हृदय में एक अजीब उल्लास हिलोरें लेने लगता है। क ष्णा नदी के भी यहाँ दर्शन होते हैं, जिसकी धार्मिक पवित्रता विश्रुत है। आंध्र की स्त्रियाँ खुली साड़ी धारण करती हैं। पुरूष भी लुंगी नहीं पहनता, उत्तरवासी की तरह धोती ही पहनता है, पीछे लाँग का छोर झंडी की तरह लहराता दिखाई देता है। वर्ण प्रायः गौर होता है। लोग तेलगू भाषा बोलते हैं, जिसमें लगभग सत्तर प्रतिशत शब्द संस्कश्त के होते हैं। आंध्र में हिंदी की तुलसीक त रामायण का बड़ा प्रचार है। एक मेरे सहयात्री ने प्रातः उठते ही उसका पाठ प्रारंभ कर दिया। उन्हीं से ज्ञात हुआ कि 16वीं शताब्दी में होने वाले वहाँ के प्रसिद्ध भक्त कवि थ्यागराज ने भी तुलसी का अनुकरण किया है और उनके ऋण को अपनी क ति में स्वीकार किया है।

1- लेखक को त्रावणकोर जाते समय किन-किन स्थानों की झलक मिली?

(क) मध्यप्रदेश, हैदराबाद और बेजवाड़ा की

(ख) आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु और केरल की

(ग) केरल, हैदराबाद और बेजवाड़ा की

(घ) मध्यप्रदेश और तमिलनाडु की

2- बेजवाड़ा किस राज्य में है?

(क) आंध्र प्रदेश

(ख) मध्य प्रदेश

(ग) उत्तर प्रदेश

(घ) केरल

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

3- बेजवाड़ा पहुँचते ही लेखक को क्यों लगा कि वह नई दुनिया में पहुँच गया है?

(क) यह स्थान सबसे भिन्न है।

(ख) यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य अद्भुत है।

(ग) यहाँ हवा समुद्र को छू–छूकर आती है, मन उल्लास से भर उठता है।

(घ) यह धार्मिक द ष्टि से पवित्र स्थान है।

4- आंध्रप्रदेश के लोग कैसी भाषा बोलते हैं?

(क) संस्क त प्रधान तेलगू भाषा

(ख) संस्क त प्रधान कन्नड़ भाषा

(ग) हिंदी प्रधान तेलगू भाषा

(घ) संस्क त प्रधान तमिल भाषा

5- आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध भक्ति कवि कौन हैं,

(क) त्यागराज

(ख) तुलसीदास

(ग) नामदेव

(घ) शंकराचार्य

विद्यया च विमुच्यते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

शब्द और पद

प्रश्न&1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

क. पद किसे कहते हैं?

.

ख. पद–परिचय से क्या अभिप्राय है?

ग. शब्द और पद में क्या अंतर है?

घ. शब्द किसे कहते है?

ड. पद–बंध से क्या अभिप्राय है?

विद्यया च विमुच्यते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

पदबंध

i'u 1- fuEufyf[kr okD;k e: I Kk inc/k pfu,&

¼d½ IM d ij pyrk gvk og vkneh vijk/kh FkkA

(i) सड़क पर चलता हुआ

(ii) सड़क पर चलता हुआ वह

(iii) सड़क पर चलता हुआ वह आदमी

¼[k½ ej: iMkI e: cgu: okyh unh I[k xb: gA

(i) मेरे पड़ोस में

(ii) मेरे पड़ोस में बहने वाली

(iii) मेरे पड़ोस में बहने वाली नदी

(iv) इनमें से कोई नहीं

¼x½ Ikeu: d: edku e: jgu: okyk yMdk ,d Nk=k gA

(i) सामने के मकान

(ii) सामने के मकान में रहने वाला

(iii) सामने के मकान में रहने वाला लड़का

(iv) इनमें से कोई नहीं

¼?k½ bykgkckn tku: okyh xkMh py iMh gA

(i) चल पड़ी है

(ii) इलाहाबाद जाने वाली

(iii) इलाहाबाद जाने वाली गाड़ी

(iv) इनमें से कोई नहीं

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

¼ड½ pkVh ls fxjrk gqvk >juk cgqr 'kksj dj jgk gSA

(i) बहुत शोर

(i) चोटी से गिरता हुआ

(i) चोटी से गिरता हुआ झरना

(i) इनमें से कोई नहीं

¼p½ vkids cpiu dk fe=k vk;k gSA

(i) आया है

(ii) आपके बचपन का

(iii) आपके बचपन का मित्रा

(iv) इनमे से कोई नहीं

¼N½ rqEgkjk dkyk Nkrk gS dgk

(i) तुम्हारा काला

(ii) है कहां

(iii) तुम्हारा काला छाता

(iv) इनमे से कोई नहीं

¼t½ cgqr rst nkSMus okys ykx vDlj fxj tkrs gSA

(i) बहुत तेज दौड़ने वाले

(ii) दौड़ने वाले लोग

(iii) बहुत तेज दौड़ने वाले लोग

(iv) इनमे से कोई नहीं

विद्यया च विमुच्यते SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

¼>½ ydMh d: bl ckDl e: fdrkc: gA

(i) लकड़ी के

(ii) बॉक्स में किताबें

(iii) लकड़ी के इस बॉक्स में

(iv) इनमे से कोई नहीं

¼´½ ikfdLrku l: vk, g, ykxk: dk ;gh Bgjk;k x;k gA

(i) पाकिस्तान से आए हुए लोगों को

(ii) पाकिस्तान से आए हुए

(iii) ठहराया गया है।?

(iv) इनमे से कोई नहीं

i:'u 2- lo:uke in c/k pfu,&

lo:uke in cn pfu,&

¼d½ कभी सच ना बोलने वाले तुम सच कैसे बोल गए?

(i) कैसे बोल गए

(ii) कभी सच ना बोलने वाले

(iii) कभी ना सच बोलने वाले तुम

(iv) इनमे से कोई नहीं

¼[k½ jkr e: nj rd tkxu: okyk og vkt tYnh lk x;kA

(i) रात में

(ii) रात में देर तक जगने वाला वह

(iii) रात में देर तक जागने वाला

(iv) जल्दी सो गया

SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

¼x½ lxhr dk tkudkj e rqgkjs >kls euk vÅxkA

(i) संगीत का जानकार में

(ii) संगीत का जानकार मैं तुहारे

(iii) ना अऊंगा

(iv) इनमे से कोई नहीं

¼?k½ ge'kk g lus okyk dkbZ mnkl dl s jg ldrk g\

(i) हमेशा हंसने वाला कोई

(ii) हमेशा हंसने वाला

(iii) हमेशा हंसने वाला कोई उदास

(iv) इनमें से कोई नहीं

ड rqEgkjs iM+kl e jgus oky o vc dgk py x,\

(i) तुम्हारे पड़ोस में

(ii) तुम्हारे पड़ोस में रहने वाले वे

(iii) तुम्हारे पड़ोस में रहने वाले

(iv) अब कहां चले गए

¼p½ fu/kuk dh lgk;rk djus okyk og e>ls feyk FkkA

(i) निर्धनों की सहायता करने वाला

(ii) मुझसे मिला था

(iii) निर्धनों की सहायता करने वाला वह

(iv) इनमें से कोई नहीं

¼N½ pk; cspus okyk ogh iz/kkueU=kh cu x;kA

(i) वकील प्रधानमंत्री

(ii) चाय बेचने वाला वही

(iii) चाय बेचने वाला

(iv) इनमें से कोई नही

विद्या च विमुच्यते SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

¼t½ dkxt ls cuk ;g dc rd fVdsxk\

(i) कागज से बना यह

(ii) कागज से बना

(iii) कब तक टिकेगा

(iv) इनमें से कोई नहीं

¼>½ gfLrukiqj ds oklh rqe /kU; gksA

(i) हस्तिनापुर के वासी तुम

(ii) धन्य हो

(iii) हस्तिनापुर के वासी

(iv) इनमें से कोई नहीं

¼´½ vkids fe=ksa esa ls dksbZ le; ij u igqapkA

(i) आपके मित्रों में से कोई

(ii) आपके मित्रों में से

(iii) कोई समय पर ना पहुंचा

(iv) इनमें से कोई नहीं

iz'u 3- fo'ks"k.k in&cU/k pqfu,&

¼d½ ifjJe djus okys lnSo lQy gksrs gSaA

(i) परिश्रम करने वाले सदैव

(ii) परिश्रम करने वाले

(iii) सफल होते हैं

(iv) इनमें से कोई नहीं

¼[k½ xkok tkus okys ykx ;gh BgjsxA

(i) गोवा जाने वाले लोग

(ii) गोवा जाने वाले

(iii) लोग यह ठहरेंगे

(iv) इनमें से कोई नहीं

¼x½ xhr fy[kus okys rqe dgkuh Hkh fy[krs gks\

(i) गीत लिखने वाले

(ii) लिखने वाले तुम

(iii) गीत लिखने वाले तुम कहानी

(iv) इनमें से कोई नहीं

¼?k½ 'kkfr dk ikB i<kus okys ;q) dSls dj ldrs gS\

(i) शांति का पाठ पढ़ाने वाले

(ii) शांति का पाठ

(iii) कैसे कर सकते हैं

(iv) इनमें से कोई नहीं

(ङ) esjs cpiu dk fe=k jes'k vk jgk gSA

(i) रमेश आ रहा है

(ii) मेरे बचपन का मित्रा

(iii) मेरे बचपन का मित्रा रमेश

(iv) इनमें से कोई नहीं

¼p½ loZfiz; us ,d lqnj vkSj etcwr ckWDl [kjhnkA

(i) सुंदर और मजबूत

(i) सुंदर और मजबूत बॉक्स

(i) सर्वप्रिय ने

(i) इनमें से कोई नहीं

विद्यया च विमुच्यते SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

¼N½ rqe tehu ij fxjh pht+ er mBk;k djksA

(i) ज़मीन पर गिरी

(ii) मत उठाया करो

(iii) इनमें से कोई नहीं

¼t½ brus xgjs vkSj va/ks dq,a esa dkSu mrjsxk\

(i) इतने गहरे और अंधे

(ii) इतने गहरे और अंधे कुएं में

(iii) कौन उतरेगा

(iv) इनमें से कोई नहीं

¼>½ eq>s ean vkSj 'khry gok lq[kn yxrh gSA

(i) मंद और शीतल

(ii) मुझे मन और शीतल

(iii) लगती है

(iv) इनमें से कोई नहीं

¼´½ bruk cM+k vkSj egaxk eksckby ysus dh D;k t:jr Fkh\

(i) इतना बड़ा और महंगा मोबाइल

(ii) इतना बड़ा और महंगा

(iii) मोबाइल लेने की

(iv) इनमें से कोई नहीं

विद्या च विमुच्यते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

i`'u 4- fØ;k inc/k pfu,

¼d½ fpfM+;k xhr xk jgh FkhA
- (i) चिड़िया गीत
- (ii) गा रही
- (iii) गा रही थी
- (iv) इनमें से कोई नहीं

¼[k½ yM+dh ukpdj Fkd xbZA
- (i) नाचकर
- (ii) लड़की नाचकर
- (iii) नाचकर थक गई
- (iv) इनमें से कोई नहीं

¼x½ eSa dk;Z iwjk djds gh tkÅaxkA
- (i) कार्य पूरा करके
- (ii) कार्य पूरा करके ही
- (iii) पूरा करके ही जाऊंगा
- (iv) इनमें से कोई नहीं

¼?k½ cPps [kkuk [kkdj lks x,A
- (i) खाना खाकर सो गए
- (ii) बच्चे खाना खाकर
- (iii) इनमें से कोई नहीं

विद्या च विमुच्यते SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

(ङ) ekgu i<+ fy[k jgk FkkA
- (i) पढ़ लिख रहा था
- (ii) रहा था
- (iii) पढ़ लिख
- (iv) इनमें से कोई नहीं

¼p½ l¡'khyk i<k jgh gA
- (i) पढ़ा रही
- (ii) पढ़ा रही है
- (iii) इनमें से कोई नहीं

¼N½ cPpk jkrk gqvk ?kj vk;kA
- (i) रोता हुआ घर आया
- (ii) रोता हुआ
- (iii) आया
- (iv) इनमें से कोई नहीं

¼t½ eSa Hkh i<us cSB x;kA
- (i) पढ़ने बैठ गया
- (ii) बैठ गया
- (iii) मै भी
- (iv) इनमें से कोई नहीं

¼>½ eSp fnYyh tkdj [ksyk tk,xkA
- (i) मैच दिल्ली जाकर
- (i) खेला जाएगा
- (i) इनमें से कोई नहीं

iz'u 5- fØ;kfo'ks"k.k inca/k pfu,

(क) मैं हर दिन की तरह खेलने लगा।
- (i) खेलने लगा
- (ii) हर दिन की तरह
- (iii) हर दिन की तरह खेलने लगा
- (iv) इनमें से कोई नहीं

विद्यया च विमुच्यते SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

¼d½ og lcg ls 'kke rd dke dj jgk FkkA
(i) सुबह से शाम तक
(ii) काम कर रहा था
(iii) इनमें से कोई नहीं

¼[k½ og eqg v/ksjs gh pyk tkrk FkkA
(i) वह मुंह अंधेरे ही
(ii) मुंह अंधेरे ही
(iii) चला जाता था
(iv) इनमें से कोई नहीं

¼x½ fiNys fnuksa dh vis{kk vkt vf/kd mel gSA
(i) पिछले दिनों की अपेक्षा आज
(ii) पिछले दिनों की अपेक्षा
(iii) अधिक उमस
(iv) इनमें से कोई नहीं

¼?k½ iÙks /khjs&/khjs uhps vk jgs FksA
(i) धीरे धीरे
(ii) धीरे–धीरे नीचे
(iii) आ रहे थे
(iv) ऐसे कोई नहीं

¼ङ½ cPps f[kM+dh ls ckgj ns[k jgs FksA
(i) देख रहे थे
(ii) खिड़की से बाहर
(iii) खिड़क से
(iv) इनमें से कोई नहीं

¼p½ og QqVckWy dh rjg yq<d dj fxj x;kA
(i) फुटबॉल की तरह लुढ़क कर
(ii) गिर गया
(iii) इनमें से कोई नहीं

विद्या च विमुच्यते SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

लघु कथन लेख

अभ्यास

नीचे दिए गए चित्र ध्यान से देखिए। चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देता लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए:–

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

जुलाई

पर्वत प्रदेश में पावस (सुमित्रनंदन पंत)

प्रश्न&1 काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिएः

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश
पल–पल परिवर्तित प्रकृति–वेश।
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्त्र द ग–सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार–बार
नीचे जल में निज महाकार
जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण–सा फैला है विशाल।
गिरि का गौरव गाकर झर–झर
मद में नस–नस उत्तेजित कर
मोती की लड़ियों से सुंदर
झरते है झाग भरे निर्झर

क. यहाँ किस ऋतु का वर्णन किया गया है?

ख. पर्वत किस आकार में खड़े हैं ?

ग. झरने क्या कर रहे हैं?

घ. झरने किसके समान लग रहे हैं?

ङ. झरने किसमें अपना प्रतिबिंब देख कर रहे हैं?

(ख) उड़ गया, अचानक लो, आया भूधर!
आया भूधर फड़का अपार पारद के पर !
रव–श्शेष रह गए हैं निर्झर !
है टूट पड़ा भू पर अंबर !
धँस गए धरा में सभय शाल !
उठ रहा धुआँ, जल गया ताल !
यों जलद–यान में विचर–विचर
था इंद्र खेलता इंद्रजाल।

क. इस कविता में किस ऋतु का वर्णन है?

ख. 'भूधर' का पर्यायवाची लिखिए।

ग. पर्वत कैसे गायब हो गए?

घ. इंद्र भगवान क्या कर रहे हैं?

ङ. 'जल गया ताल' में कवि ने क्या कल्पना की है?

प्रश्न&2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

क. इस कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

ख. इस कविता में जिन अलंकारों का प्रयोग किया गया है उनकी सूची बनाइए।

डायरी का एक पन्ना (सीताराम सेकसरिया)

प्रश्न&1 निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

(क) कलकत्ते के प्रत्येक भाग में ही झंडे लगाए गए थे। जिस रास्ते से मनुष्य जाते थे, उसी रास्ते में उत्साह और नवीनता मालूम होती थी। लोगों का कहना था कि ऐसी सजावट पहले नहीं हुई। पुलिस भी अपनी पूरी ताकत से शहर में गश्त देकर प्रदर्शन कर रही थी। मोटर लारियों में गोरखे तथा सारजेंट प्रत्येक मोड पर तैनात थे। कितनी ही लारियाँ शहर में घुमाई जा रही थीं। घुडसवारों का प्रबंध था। कहीं भी ट्रैफिक पुलिस नहीं थी, सारी पुलिस को इसी काम में लगाया गया था। बड़े—बड़े पार्कों तथा मैदानों को पुलिस ने सवेरे से ही घेर लिया था।

क. पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

ख. रास्तों पर उत्साह और नवीनता क्यों मालूम हो रही थी ?

ग. पुलिस की प्रतिक्रिया कैसी थी, स्पष्ट कीजिए ।

घ. 'नवीनता' में से मूल शब्द और प्रत्यय छाँटकर कर अलग—अलग लिखें ।

विद्यया च विमुच्यते SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

(ख) जब से कानून भंग का काम शुरू हुआ है, तब से आज तक इतनी बड़ी सभा ऐसे मैदान में नहीं की गई थी और यह सभा तो कहना चाहिए कि ओपन लड़ाई थी। पुलिस कमिश्नर का नोटिस निकल चुका था कि अमुक–अमुक धारा के अनुसार कोई सभा नहीं हो सकती। जो लोग काम करने वाले थे, उन सबको इंस्पेक्टरों के द्वारा नोटिस और सूचना दे दी गई थी कि आप यदि सभा में भाग लेंगें, तो दोषी समझे जाएँगे। इधर कौंसिल की तरफ से नोटिस निकल आया था कि मोनुमेंट के नीचे ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर झंडा फहराया जाएगा तथा स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी। सर्वसाधारण की उपस्थिति होनी चाहिए। खुला चैलेंज देकर ऐसी सभा पहले नहीं की गई थी।

क. 'स्वतंत्रता' और 'उपस्थिति' शब्दों के विलोम शब्द लिखें।

ख. सभा को ओपन लड़ाई क्यों कहा गया है?

ग. पुलिस कमिश्नर ने क्या नोटिस निकाला था?

घ. कौंसिल के नोटिस में क्या कहा गया था?

प्रश्न&2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

क. भारत को मिली स्वतंत्रता में सभी वर्गों की भूमिका थी– सिद्ध कीजिए।

अगस्त

<u>मीरा</u>

प्रश्न&1 काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिएः

(क) मोर मुगट पीताम्बर सौहे, गल वैजन्तीमाला।
बिन्दरावन में धेनु–चरावे, मोहन मुरलीवाला।
ऊँचा–ऊँचा महल बणावं, बिच–बिच राखूं बारी।
साँवरिया रा दरसण पास्यूँ पहर कुसुम्बी साड़ी।
आधी रात प्रभु दरसण, दीज्यो जमनाजी रे तीराँ।

क. प्रस्तुत पद में कवयित्री ने अपने आराध्य के रूप का वर्णन कैसे किया है?

ख. कवयित्री ने विन्दरावन के बारे में क्या कहा है?

ग. मीरा किस प्रकार का महल बनाना चाहती हैं?

घ. निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित रूप लिखिए :दरसण, मुगट

ङ. मीरा अपने प्रभु के दर्शन कहाँ और कब करना चाहती हैं?

(ख) हरि आप हरो जन री भीर।
द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।
भगत कारण रूप नरहरि, धर्‌यो आप सरीर।
बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुण्जर पीर।
दासी मीराँ लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर।।

क. कवयित्री अपने प्रभु से किसकी विपत्ति दूर करने की प्रार्थना कर रही हैं?

ख. प्रभु ने किसकी लाज रखी थी और कैसे?

ग. भक्त प्रह्लाद को बचाने के लिए प्रभु ने किसका रूप धारण किया?

घ. भगवान ने डूबते गजराज को बचाने के लिए क्या किया था?

ङ. इस पद की भाषा कौन–सी है?

च. 'भगत' और 'सरीर' शब्दों के प्रचलित रूप लिखिए।

तोप (वीरेन डंगवाल)

प्रश्न&1 काव्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए:-

कंपनी बाग के मुहाने पर
धर रखी गई है यह 1857 की तोप
इसकी होती है बड़ी संभाल, विरासत में मिले
कंपनी बाग की तरह
साल में चमकाई जाती है दो बार।

क. कवि और कविता का नाम लिखिए।

ख. कंपनी बाग के मुहाने पर क्या रखी हुई है?

ग. इस तोप के बारे में क्या कहा गया है?

घ. इसे कब चमकाया जाता है?

ङ. यह तोप किस समय की है?

च. 'बाग' शब्द के दो पर्याय लिखिए।

प्रश्न&2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

क. 'तोप' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

THE CIVIL SERVICES SCHOOL

ख. कंपनी बाग और तोप को विरासत मानकर क्यों सुरक्षित रखा गया?

वाक्य

Ik'u 1- jpuk ds vk/kkj ij okD; ds Hksn fyf[k,&

jke cktkj x;k ij mlus Qy ugha [kjhnsA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

Tkc jke cktkj x;k] rc mlus Qy ugha [kjhnsA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

jke us cktkj tkdj Qy ugha [kjhnsA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

Tkks ckny xjtrs gSa] os cjlrs ughaA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

Xkjtus okys ckny cjlrs ughaA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

Ckkny xjtrs jgs] ysfdu cjls ughaA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

Pkk; rS;kj gksus ij mlus l;kys esa Hkj nhA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

Pkk; r;kj gbl vkj mlu l;ky e Hkj nhA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

tl gh pk; r;kj gbl ol gh mlu l;ky e Hkj nhA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

Tkthj [khpr gh Vu :d xbA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

Tkthj [khph vkj Vu :d xbA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

tl gh Tkthj [khph] ol gh Vu :d xbA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

yMdh ekVj l Vdjkbl vkj mldh eR;q gk xbA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

yMdh dh eR;q ekVj l Vdjkdj gk xbA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

T;k gh yMdh ekVj l Vdjkbl mldh eR;q gk xbA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

mlu tl gh iku [kk;k] ml pDdj vku yxA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

mlu iku [kk;k vkj ml pDdj vku yxA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

Ikku [kkr gh ml pDdj vku yxA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

Ekkgu d fnYYkh tku ij Hkh mldk dke ugh gqvkA

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

;n ;fi ekgu fnYyh x;k] rFkkfi mldk dke ugh gqvkA

Ik'u 2- fuEufyf[kr okD;k e mfpr fodYi pqfu,&

egurh ykx mUufr djr gA ¼feJ okD; e½

1. जब मेहनती होते हैं, तब उन्नति करते हैं।
2. जो मेहनती होते हैं, वे उन्नति करते हैं।
3. जिनकी मेहनत होती है, वे उन्नति करते हैं।

d".k ejyh ctkr g vkj jk/kk ukprh gA ¼feJ okD; e½

1. कृष्ण के मुरली बजाने पर राधा नाचती हैं।
2. कृष्ण मुरली बजाते हैं, तभी राधा नाचती हैं।
3. जब कृष्ण मुरली बजाते हैं, तब राधा नाचती हैं।

ek d vku l cPp iLUu gk x,A ¼l;Dr okD; e½

1. माँ आई और बच्चे प्रसन्न हो गए।
2. जब माँ आई, तब बच्चे प्रसन्न हो गए।
3. ज्यों ही माँ आई, बच्चे प्रसन्न हो गए।

Ek|lhcr vk tk, rk ?kcjkuk ugh pkfg,A ¼lj y okD; e½

1. मुसीबत आते ही घबराना नहीं चाहिए।
2. मुसीबत आने पर घबराना नहीं चाहिए।
3. मुसीबत आए लेकिन घबराना नहीं चाहिए।

tSl s gh eSau s [kkuk [kk;k] oSl s gh lks x;kA ¼l a;Dr okD; e½

1. मैं खाना खाते ही सो गया।
2. जब मैंने खाना खाया, तब सो गया।
3. मैने खाना खाया और सो गया।

e|[; vfrfFk vk, vkj dk;Øe 'k|: gk x;kA ¼lj y½

1. ज्यों ही मुख्य अतिथि आए कार्यक्रम शुरू हो गया।
2. मुख्य अतिथि के आते ही कार्यक्रम शुरू हो गया।
3. मुख्य अतिथि आए तो कार्यक्रम शुरू हो गया।

jke dk lc dN [kk x;k ¼feJ½

1. हालाँकि राम है पर सब कुछ खो गया।
2. राम है लेकिन उसका सब कुछ खो गया।
3. जो राम है, उसका सब कुछ खो गया।

tc ikuh cjlu s yxk] rc e S rjar ykV vk;kA ¼l a;Dr½

1. ज्यों ही पानी बरसने लगा, मैं तुरंत लौट आया।
2. पानी बरसते ही मैं लौट आया।
3. पानी बरसने लगा और मैं तुरंत लौट आया।

Ekkrk dh bPNk Fkh fd cVk bathfu;j cuA ¼lj y½

1. मता अपने बेटे को इंजीनियर बनाना चाहती थी।
2. जो माता है, उसकी इच्छा बेटे को इंजीनियर बनाने की थी।
3. मता थी बेटे को इंजीनियर बनाना।

Tkc o s ckt kj x, rc iLrd [kjhn yk,A ¼l a;Dr½

1. बज़ार जाकर वे पुस्तक खरीद लाए।
2. वे बाज़ार गए और पुस्तक खरीद लाए।
3. वे बाज़ार गए इसलिए पुस्तक खरीद लाए।

Lkcg mBdj cPps us nw/k fi;kA ¼feJ½

1. बच्चे ने सुबह उठकर दूध पिया कि नहीं।
2. जब बच्चा सुबह सोकर उठा, उसने दूध पिया।
3. बच्चे ने दूध पिया क्योंकि वह सुब उठ गया।

'kj ngkM+ jgk Fkk vkj mlus fgju ij geyk dj fn;kA ¼feJ½

1. जो दहाड़ता हुआ शेर था उसने हिरन पर हमला कर दिया।
2. दहाड़ते हुए शेर ने हिरन पर हमला कर दिया।
3. इनमें से कोई नहीं।

mlds pqVdqys lqudj lc g¡l iM+s ¼l;qDr½

1. सबने उसका चुटकुला सुना और हँस पड़े।
2. सबने उसका चुटकुला सुना फिर भी हँस पड़े।
3. जब सबने उसका चुटकुला सुना, तब हँस पड़े।

tc og yM+dk xk¡o x;k] rc chekj iM+ x;kA ¼ljy½

1. वह लड़का गाँव गया, इसलिए बीमार पड़ गया।
2. गाँव जाते ह ीवह लड़का बीमार पड़ गया।
3. इनमें से कोई नहीं।

egku yksx tks ekxZ crkrs gSa] yksx mlh ij pyrs gSaA ¼ljy½

1. लोग महान व्यक्तियों द्वारा बताए गए मार्ग पर ही चलते हैं।
2. महान लोग मार्ग बताते हैं और लोग उस पर चलते हैं।
3. इनमें से कोई नहीं।

मुहावरे और लोकोक्ति

प्रश्न&1 निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए:-

क. दिल मसोस कर रह जाना

....

ख. मुँह लटकाना

....

ग. तितर–बितर होना

....

घ. हरफ़नमौला होना

....

ङ. लगती बातें कहना

....

च. शार्म से पानी–पानी होना

....

छ. पाँव पसारना

....

ज. चोरों का–सा जीवन काटना

....

झ. ज़मीन पर पाँव न रखना?

....

ञ. पहाड़ के समान

....

प्रश्न&2 निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए:-

क. जी ललचाना

....

ख. तलवार खींच लेना

....

ग. एकटक निहारना

....

घ. सिर फिर जाना

....

ङ. सुराग न मिलना

....

च. आग बबूला हो जाना

....

छ. घाव पर नमक छिड़कना

....

ज. अंधे के हाथ बटेर लगना

....

झ. जान बख्श देना

....

ञ. खून खौलना

....

प्रश्न&3 मुहावरों का सही अर्थ लिखिए:-

क. काम तमाम करना
ख. उलझन में पड़ना
ग. खुशी का ठिकाना न रहना
घ. नतमस्तक होना
ङ. आँखें फोड़ना
च. हँसी–खेल न होना

प्रश्न&4 निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे से कीजिए:

क. राज ने प्रथम आने के लिएॅ .... है।

ख. कमल ने चोरी करके परिवार की इज्जत ....।

ग. अपने बेटे की करतूत देख माँ..ॅगई।

घ. छोटे से अपराध पर पिता ने ऐसे ....ॅकि मैं नतमस्तक हो गया।

ॅॅॅॅॅॅॅॅॅॅॅङ. .... आदमी भी दुनिया हिला सकते है।

च. मदर टेरेसा गरीबों के लिए .... रहती हैं।

प्रश्न&5 उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

क. रमा ने जब अपनी सहेली से मदद माँगी तो उसने .... दिया।

ख. इस स्वार्थी संसार में दीन–दुखियों .... के वाला कोई नहीं है।

ग. रमेश के परीक्षा में फेल होने पर उसके पिताजी .... हो गए।

घ. मैं तुम्हें अच्छी तरह से जानता हूँ। मुझे .... की कोशिश मत करो।

ॅॅॅॅॅॅॅॅॅॅॅङ. व्यापार में नुकसान होने से मनोहर की .... गई।

च. चुनाव के समय सभी नेता एक दूसरे पर .... में लगे रहते हैं।

छ. दूसरों के मामले में .... मुझे पसंद नहीं है।

ज. गहरी खाई में लटकती बस को देखकर मेरे .... गए।

झ. धोखा खाकर अब उसकी .... खुली है।

ञ. वीर संतानों ने .... बाँधकर देश की रक्षा की।

ट. .... के बाद वह तुरंत चल पड़ा।

ठ. मैं यह ज़िम्मेदारी नहीं ले सकता आप क्यों .... हैं।

ड. दूसरों पर .... के बदले अपना काम जल्दी पूरा करो।

ढ. तुमने मेरे सारे अरमानों को ....।

ण. जो काम मेरे .... हैं उसके लिए कैसे हामी भरूँ।

अपठित गद्यांश

गुरु नानकदेव का आविर्भाव आज से लगभग पाँच सौ वर्ष पूर्व कार्तिक पूर्णिमा के दिन हुआ। भारतवर्ष की मिट्टी में युग के अनुरूप महापुरुषों को जन्म देने का अद्भुत गुण है। आज से पाँच सौ वर्ष पहले का देश अनेक कुसंस्कारों में उलझा था। जातियों, संप्रदायों, धर्मो के संकीर्ण कुलाभिमानों से वह खंड विच्छिन्न हो गया था। देश में नए धर्म के आगंतुकों के कारण एक ऐसी समस्या उठ खड़ी हुई थी, जो इस देश के हजारों वर्षों के लंबे इतिहास में अपरिचित थी। ऐसे ही दुर्घट काल में इस देश की मिट्टी ने ऐसे अनेक महापुरुषों को उत्पन्न किया, जो सड़ी रूढ़ियों, म तप्राय आचारों, बासी विचारो और अर्थहीन संकीर्णताओं के विरुद्ध प्रहार करने में कुंठित नहीं हुए और इन जर्जर बातों से परे सबमें विद्यमान सबको नई ज्योति और नया जीवन प्रदान करने वाले महान जीवन–देवता की महिमा प्रतिष्ठित करने में समर्थ हुए। इन संतों की ज्योतिष्क मंडली में गुरु नानकदेव ऐसे संत है, जो शरत्काल के पूर्णचंद्र की तरह ही स्निग्ध, उसी प्रकार शांत–निर्मल, उसी प्रकार रश्मि के भंडार थे।

कई संतो ने कस–कस के चोटें मारीं, व्यंग्य–बाण छोड़े, तर्क की छुरी चलाई, पर महान् गुरु नानकदेव ने सुधा लेप का काम किया। यह अश्चर्य की बात है कि विचार और आचार की दुनिया में इतनी बड़ी क्रांति ले आने वाला यह संत इतने मधुर, इतने स्निग्ध, इतने मोहक वचनों का बोलने वाला है। उन्होंने म त्यु–पर्यंत हिंदू–मुसलमानों के तीव्र मतभेदों को दूर करने की सफल चेष्टा की इनके शिष्यों में हिंदू व मुसलमान दानों की थे। इनके अनुयायी बाद में सिक्ख कहलाए और उन्होंने उनके सिद्धांतों को 'ग्रंथ–साबह' में संग हीत किया।

1- **गुरु नानक का आविर्भाव कब हुआ?**

(क) पाँच सौ वर्ष पूर्व कार्तिक अमावस्या को

(ख) लगभग पाँच सौ वर्ष पूर्व शरत पूर्णिमा के दिन

(ग) पाँच सौ वर्ष पूर्व कार्तिक पूर्णिमा के दिन

(घ) लगभग पाँच सौ वर्ष पूर्व कार्तिक पूर्णिमा के दिन

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

2- **आज से पाँच सौ वर्ष पहले समाज की कैसी स्थिति थी?**

(क) समाज कुसंस्कारों में उलझा था।

(ख) समाज में परस्पर सौहार्द्र था।

(ग) समाज में शांति और प्रेम था।

(घ) समाज में असमानता थी।

3- **गुरु नानक के अनुयायी क्या कहलाए?**

(क) हिंदू

(ख) पारसी

(ग) सिक्ख

(घ) ईसाई

4- **गुरु नानक जी की तुलना शरदकाल के पूर्णचंद्र से क्यों की है?**

(क) वे पूर्ण चंद्र की तरह गोल–मटोल थे।

(ख) शरदकाल के पूर्णचंद्र की भाँति स्निग्ध, शांत, निर्मल और प्रकाश के भंडार थे।

(ग) वे चाँद की चाँदनी रूपी अम त का लेप लगाने वाले थे।

(घ) वे नई ज्योति और नया जीवन प्रदान करने वाले थे।

5- **निम्नलिखित में से कौन-सा विशेषण गुरु नानक के लिए सही है?**

(क) मधुभाषी

(ख) वीर योद्धा

(ग) संत

(घ) समाज सुधारक

THE CIVIL SERVICES SCHOOL

सितम्बर

<u>तताँरा वामीरो कथा</u> (लीलाधर मंडलोई)

प्रश्न&1 गद्‌यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) क्रोध में उसने तलवार निकाली और कुछ विचार करता रहा। क्रोध लगातार अग्नि की तरह बढ़ रहा था। लोग सहम उठे। एक सन्नाटा–सा खिंच गया। जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा। वह पसीने से नहा उठा। सब घबराए हुए थे। वह तलवार को अपनी तरफ खींचते–खींचते दूर तक पहुँच गया। वह हाँफ रहा था। अचानक जहाँ तक लकीर खिंच गई थी, वहाँ एक दरार होने लगी। मानो धरती दो टुकड़ों में बँटने लगी हो। एक गड़गड़ाहट–सी गूँजने लगी और लकीर की सीध में धरती फटती ही जा रही थी। द्‌वीप के अंतिम सिरे तक तताँरा धरती को मानो क्रोध में काटता जा रहा था। सभी भयाकुल हो उठे। लोगों ने ऐसे द ष्य की कल्पना न की थी, वे सिहर उठे।

क. तताँरा के क्रोध का क्या कारण था?

ख. क्रोध में तताँरा ने क्या किया?

ग. लोग भयभीत क्यों थे?

(ख) सदियों पूर्व, जब लिटिल अंदमान और कार–निकोबार आपस में जुड़े हुए थे तब वहाँ एक सुंदर–सा गाँव था। पास में एक सुंदर औरृशक्तिशाली युवक रहा करता था। उसका नाम था तताँरा। निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता। अपने गाँव वालों को ही नहीं, अपितु समूचे द्‌वीपवासियों की सेवा करना। अपना परम कर्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते। वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा–भागा वहाँ पहुँच जाता। दूसरे गाँवों में भी पर्व–त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता। लोगों का मत था, बावजूद लकड़ी की होने पर, उस तलवार में अद्‌भुत दैवीय शक्ति थी। तताँरा अपनी तलवार को कभी अलग न होने देता। उसका दूसरों के सामने उपयोग भी न करता। किंतु उसके चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोग–बाग तलवार में अद्‌भुत शक्ति का होना मानते थे। तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी।

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL विद्यया च विमुच्यते

क. तताँरा कौन था? वह अपना कर्तव्य किसे समझता था?

ख. तताँरा को पर्व–त्योहार पर क्यों आमंत्रित किया जाता था ?

ग. उसकी तलवार को लोग क्या मानते थे ?

प्रश्न&2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

क. तताँरा का चरित्र–चित्रण कीजिए।

ख. पाठ के आधार पर वामीरो का चरित्र–चित्रण कीजिए।

विद्या च विमुच्यते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

अपठित गद्यांश

जब कोई युवा पुरु ा अपने घर से बाहर निकलकर बाहरी संसार में अपनी स्थिति जमाता है, तब पहली कठिनता उसे मित्र चुनने में पड़ती है। यदि उसकी स्थिति बिल्कुल एकांत और निराली नहीं रहती तो उसकी जान–पहचान के लोग धड़ाधड़ बढ़ते जाते हैं और थोड़े ही दिनों में कुछ लोगों से उसका हेल–मेल हो जाता है। यही हेल–मेल बढ़ते–बढ़ते मित्रता के रूप में परिणत हो जाता है। मित्रों के चुनाव की उपयुक्तता पर उसके जीवन की सफलता निर्भर हो जाती है।

क्योंकि संगति का गुप्त प्रभाव हमारे आचरण पर बड़ा भारी पड़ता है। हम लोग ऐसे समय में प्रवेश करके अपना कार्य आरंभ करते हैं, जबकि हमारा चित कोमल और हर तरह का संस्कार ग्रहण करने योग्य रहता है, हमारे भाव अपरिमार्जित और हमारी प्रव ति अपरिपक्व रहती है। हम लोग कच्ची मिट्टी की मूर्ति के समान रहते हैं, जिसे जो जिस रूप का चाहे उस रूप का करे–चाहे राक्षस बनावे, चाहे देवता। ऐसे लोगों का साथ करना हमारे लिए बुरा है जो हमसे अधिक दृढ़ संकल्प के हैं, क्योंकि हमें उनकी हर एक बात बिना विरोध के मान लेनी पड़ती है। पर ऐसे लोगों का साथ करना और बुरा है, जो हमारी ही बात को ऊपर रखते हैं, क्योंकि ऐसी दशा में न तो हमारे ऊपर कोई दबाव रहता है और न हमारे लिए कोई सहारा रहता है।

1- **बाहरी संसार में निकलने पर युवाओं को पहल कठिनाई क्या होती है।**

(क) लक्ष्य चुनने में

(ख) मित्र चुनने में

(ग) राह चुनने में

(घ) नौकरी चुनने में

2- **जीवन की सफलता किस पर निर्भर करती है।**

(क) परिश्रम पर

(ख) भाग्य पर

(ग) मित्रों के चुनाव की उपयुक्तता पर

(घ) समाज पर

SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

3- **मित्रता कैसे होती है?**

(क) हेल—मेल बढ़ते—बढ़ते मित्रता में बदल जाता है।

(ख) सभी जानने वाले मित्र बन जाते हैं।

(ग) पहली द ष्टि में ही पसंद आने वाला मित्र बन जाता है।

(घ) पड़ोसी से अपने आप मित्रता हो जाती है।

4- **युवाओं को कच्ची मिट्टी की मूर्ति क्यों कहा है?**

(क) उनके भाव और विचार अपरिपक्व होते हैं, जिससे उन्हें सि रूप में चाहें, उस में ढाला जा सकता है — मानव या दानव

(ख) उनका शरीर कच्ची मिट्टी की मूर्ति की तरह नाजुक होता है जो ज़रा से भार से टूट सकता है।

(ग) कच्ची मिट्टी की मूर्ति की तरह युवा ज़िम्मेदारी का बोझ नहीं उठा सकते।

(घ) कच्ची मिट्टी की मूर्ति की तरह युवाओं पर रंग अच्छा चढ़ता है।

5- **टपने से अधिक द ढ़ संकल्प वाले का साथ करना क्यों बुरा है?**

(क) इससे हमारे ऊपर कोई दबाव नहीं रहता।

(ख) हमें उनकी हर बात बिना विरोध के माननी पड़ती है।

(ग) हम अपनी बात नहीं मनवा पाते।

(घ) हमारी स्वतंत्रता छिन जाती है।

SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

1- fuEufyf[kr in;k'kk dk /;kuiold i<dj fn, x, ç'uk d mÙkj nhft,&

विद्यार्थियों के लिए परिश्रम का विशेष महत्व है। विद्यार्थी काल साधना काल है, यही वह समय है, जब विद्यार्थी को केवल अपने अध्ययन–मनन और शारीरिक स्वास्थ्य बनाने के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं करना होता उसका एकमात्रा ध्यान अपने शारीरिक–मानसिक विकास को समृद्ध करने की ओर रहता है। खाने–पीने, पहनने–ओढ़ने अथवा पढ़ाई लिखाई के खर्च आदि की उन्हें कोई चिंता नहीं होती। ऐसी स्थिति में भी यदि वे परिश्रम से जी चुराएँ तो उनका दुर्भाग्य है; क्योंकि कहा गया है–

'सुखार्थिनो कुतो विद्या, विद्यार्थिनो कुतो सुखम्।'

अर्थात् सुख चाहने वाले के लिए विद्या कहाँ और विद्या की इच्छा रखने वाले को सुख कहाँ परिश्रमी व्यक्ति को अपनी .दृष्टि केवल अपने उद्देश्य बिंदु पर गड़ाए आगे बढ़ना चाहिए। परिश्रम एक शक्ति है। जिसने भी यह शक्ति प्राप्त कर ली, सफलता ने उसके गले में जयमाला डाल दी। परिश्रम के बल पर ही व्यक्ति असंभव को संभव कर दिखाता है। परिश्रम से ही उसने कोयले से हीरे का निर्माण और प्रकृति पर अपना अधि ाकार किया।

परिश्रम जीवन की मूल शक्ति, उन्नति और सफलता का रहस्य है।

1- mi;ä xn;k'k dk mi;ä 'kh"kd nhft,A

(क) परिश्रम सफलता की कुंजी

(ख) पढ़ाई लिखाई का महत्व

(ग) खाने–पीने का महत्व

(घ) ओढ़ने–पहनने का महत्व

2- fo|kfFk;k d fy, fdl&fdl dk fo'k"k egRo g\

(क) परिश्रम का

(ख) सैर–सपाटे का

(ग) फिल्म का

(घ) दौड़ का

3- fo|kFkh dky dk D;k dgk x;k g\

(क) आधुनिक काल

(ख) भक्ति काल

(ग) साधना काल

(घ) रीति काल

4- fo|kFkh dky e fo|kFkh dk /;ku fdl rjQ jgrk g\

(क) भारतीय संस्कृति को समृद्ध करने की ओर

(ख) शारीरिक–मानसिक विकास की समृद्ध करने की ओर

(ग) अधिक से अधिक धन प्राप्ति की तरफ

(घ) अपने माता–पिता व अध्यापकों की खुशी की तरफ

5- mUgs fdl çdkj dh fprk ugh gkrh\

(क) खाने–पीने की

(क) ओढ़ने–पहनने की

(क) पढ़ाई–लिखाई की

(क) सभी सही हैं

मनुष्यता (मैथिलीशरण गुप्त)

प्रश्न&1 काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए:

(क) विचार लो कि मर्त्य हो न म त्यु से डरो कभी,
मरो, परन्तु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सुम त्यु तो व था मरे व था जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु प्रव त्ति है कि आप, आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

क. सुम त्यु किसकी होती है?

ख. 'पशु–प्रव त्ति' से क्या तात्पर्य है?

ग. कवि के अनुसार मनुष्य कहलाने का वास्तविक अधिकार कौन है?

घ. हमें म त्यु से क्यों नहीं डरना चाहिए।

ङ कवि और कविता का नाम लिखिए।

विद्या च विमुच्यते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

(ख) अनंत अंतरिक्ष में अनंत देव हैं खड़े,
समक्ष ही स्वबाहु जो बढ़ा रहे बड़े–बड़े।
परस्परावलंब से उठो तथा बढ़ो सभी,
अभी अमर्त्य–अंक में अपंक हो चढ़ो सभी।
रहो न यों कि एक से न काम और का सरे,
वही मनुष्य है कि जो मनु य के लिए मरे।।

क. काव्यांश में कवि मनुष्य को अपने अंदर कौन–सा गुण उत्पन्न करने का संदेश दे रहा है?

ख. 'स्वबाहु' का क्या अर्थ है?

ग. मनु य को किसकी सहायता सदैव उपलब्ध है?

घ. मनुष्य को 'अमर्त्य अंक' की प्राप्ति कैसे संभव है?

ङ 'परस्परावलंब' का संधि–विच्छेद कीजिए।

प्रश्न&2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

क. बाधाओं का सामना किस प्रकार करना चाहिए?

ख. 'मनुष्यता' कविता के शीर्षक की सार्थकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

विद्या च विमुच्यते SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

<u>अशुद्धि–शोधन</u>

प्रश्न&1 वाक्य शुद्ध कीजिए :

क. राम बाजार गई पर उसने फल नहीं खरीदी।

....

ख. हमें तुमको वहाँ देखा था।

....

ग. कल मैंने चंडीगढ़ जाना है।

....

घ. मेंहदी हसन गाने की कसरत कर रहे हैं।

....

ङ माली सींचता है पौधों को जल से।

....

च. अपने हाथों से अध्यापक ने मिठाइयाँ दी।

....

छ. एक गरम कप टमाटर का सूप पीते जाओ।

....

ज. आई.आई.एम. में दाखिला पाना लोहे के चने खाने के समान है।

....

झ. आम के पेड़ पर मैंने कई फलों देखे।

....

ञ. भेद रहस्य भरा रास्ता तुम्हें कैसे पता चला?

....

प्रश्न&2 निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए:-

क. मुझे वसंत ऋतु अच्छा लगता है।

....

ख. वह अपराधी दंड देने योग्य है।

....

ग. तुम यह पैंट डाल लो।

....

घ. नेताजी के गले में एक गेंदे की माला है।

....

ङ वह स्वयं ही यह कार्य अपने आप कर लेगा।

....

च. तुम्हारे कान में लटकती बूँदे अच्छी हैं।

....

छ. गर्मी के कारण लोग बेहाल दशा में हैं।

....

ज. मैंने अपना ग्रहकार्य कर लिया है।

....

झ. वह प्रत्येक क्षेत्रों में माहिर है।

....

ञ. यहाँ ृशुद्ध गाय का दूध मिलता है।

....

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

ट. वहाँ भारी–भरकम भीड़ जमा हो गई।

....

ठ. उन्होंने हाथ जोड़ा।

....

ड. मैंने आज वहाँ जाना है।

....

ढ. तुमने यह क्या किया छिः!

....

ण. गुणवान स्त्री सब जगह पूजी जाती है।

....

प्रश्न&3 निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिएः-

क. विज्ञान वर्तमान का युग है ....

ख. उनका बनारसवाला मित्र एक पत्र भेजा है। ....

ग. तुम्हारी बात में सच्चाई कोई नहीं है। ....

घ. नौकर साहब को सलाम किया। ....

ङ परिश्रम व्यक्ति सफल होते हैं ....

विद्या य विमुच्यते SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

च. बच्चों ने कहानी सुनते–सुनते सो गए। ....

छ. मैं पाठ पढ़ा। ....

ज. तुम यह किताब कहाँ से खरीदें। ....

झ. इस बार कम संख्या में विद्यार्थी परीक्षा दिए। ....

ञ मुझे गर्म गाय का दूध अच्छा लगता है। ....

ट. कश्मीर में अनेकों दर्शनीय स्थल देखने योग्य हैं। ....

ठ. बच्चों को बोलने की सच आदत डालनी चाहिए। ....

ड. शहर में बीमारी बड़ी फैली है। ....

ढ. वह परीक्षा में प्रथम स्थान पाया। ....

ण. उसने आज घर में क्या करा? ....

त. तुम तुम्हारी पुस्तक पढ़ो। ....

थ. मैं खाना खा लिया हूँ। ....

द. मैंने नहाना है। ....

ध. पुलिस ने डाकुओं को पीछा किया। ....

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL विद्या च विमुच्यते

r;h del

राजकपूर ने एक अच्छे और सच्चे मित्र की हैसियत से शैलेंद्र को फिल्म की असफलता के खतरों से आगाह भी किया। पर वह तो एक आदर्शवादी भावुक कवि था, जिसे अपार संपत्ति और यश तक की इतनी कामना नहीं थी, जितनी आत्म संतुष्टि के सुख की अभिलाषा तीसरी कसम कितनी ही महान फिल्म क्यों ना रही हो, लेकिन यह एक दुखद सत्य है कि इसे प्रदर्शित करने के लिए बमुश्किल वितरक मिले बावजूद इसके तीसरी कसम में राजकपूर और वहीदा रहमान जैसे नामज़द सितारे थे शंकर जयकिशन का संगीत था, जिनकी लोकप्रियता उन दिनों सातवें आसमान पर थी और इसके गीत भी फिल्म के प्रदर्शन के पूर्व ही बेहद लोकप्रिय हो चुके थे। लेकिन इस फिल्म को खरीदने वाला कोई नहीं था। दरअसल इस फिल्म की संवेदना किसी दो से चार बनाने का गणित जानने वाले की समझ से परे थी उसमें रची बसी करूणा तराजू पर तौली जा सकने वाली चीज नहीं थी। इसीलिए बमुश्किल जब तीसरी कसम रिलीज हुई तो उसका कोई प्रचार नहीं हुआ फिल्म कब आए कब चली गई मालूम ही नहीं पड़ा।

प्रश्न 1. पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

प्रश्न 2. राजकपूर ने एक सच्चे मित्रा के नाते तीसरी कसम के निर्माता शैलेंद्र को फिल्म के असफल होने के प्रति सचेत किया था फिर भी शैलेंद्र ने फिल्म क्यों बनाई?

प्रश्न 3. तीसरी कसम फिल्म की विडंबना क्या थी?

प्रश्न 4. तीसरी कसम फिल्म में मुख्य भूमिका में कौन–कौन से सितारे थे?

तीसरी कसम यदि एकमात्रा नहीं तो चंद उन फिल्मों में से हैं जिन्होंने साहित्य रचना के साथ शत–प्रतिशत न्याय किया हो। शैलेंद्र ने राजकपूर जैसे स्टार को हीरामन बना दिया था हीरामन पर राजकपूर हावी नहीं हो सका और छींट की सस्ती साड़ी में लिपटी हीराबाई ने वहीदा रहमान की प्रसिद्ध ऊंचाइयों को बहुत पीछे छोड़ दिया था। कजरी नदी के किनारे उकडु बैठकर हीरामन जब गीत गाते हुए हीराबाई से पूछता है 'मन समझती है ना आप' तब हीराबाई जुबान से नहीं आंखों से बोलती है। दुनिया भर के शब्द उस भाषा को अभिव्यक्ति नहीं दे सकते। ऐसी ही सूक्ष्मताओं से संपदित थी तीसरी कसम।

प्रश्न 1. पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

प्रश्न 2. तीसरी कसम फिल्म की गणना किन चंद फिल्मों में की जा सकती है?

प्रश्न 3. तीसरी कसम ने राजकपूर और वहीदा रहमान को किन भूमिकाओं में प्रतिष्ठित किया?

प्रशन 4. तीसरी कसम फिल्म में कैसी बारीकियों का प्रदर्शन हुआ है?

प्रश्न 5. तीसरी कसम फिल्म में कैसी बारीकियों का प्रदर्शन हुआ है?

विद्यया च विमुच्यते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

प्रश्न 6. राज कपूर को एशिया का सबसे बड़ा शो मैन क्यों कहा जाता है?

प्रश्न 7. कला पारखी राजकपूर को कैसा कलाकार मानते थे?

प्रश्न 8. 'तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र' पाठ का मूल संदेश क्या है?

प्रश्न 9. शैलेंद्र ने 'तीसरी कसम' फिल्म बनाकर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को क्या संदेश दिया?

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

fuEufyf[kr xn~;ka'k dk /;kuiwoZd i<+dj fn, x, ç'uksa ds mÙkj nhft,%

सितंबर 1986 में एक सन्यासी चालीसगाँव आए थे। उनका व्यक्तित्व बहुत प्रभावशाली था। उनके चेहरे पर अद्भुत तेज था। वह शयोकर शास्त्री के घर गए। उन्हें देखकर शास्त्री जी अवाक् रह गए। वे बौद्ध गुफाओं में बने किसी बौद्ध भिक्षुक की सजीव प्रतिमा लग रहे थे। सन्यासी ने कहा कि वे पाटणे मंदिर में रहकर साधना करना चाहते हैं शास्त्री जी गद्‌गद हो उठे। पाटणे गाँव से लगभग तीन किलोमीटर दूर निर्जन वन में रहने का किसी में साहस नहीं था शास्त्री जी उन्हें बद्री काका नामक एक धर्मप्रेमी सज्जन के पास ले गए। उन दोनों ने सन्यासी को बहुत समझाया तथा वन के हिंसक पशुओं के भय भी दिखाया, लेकिन वे न माने विवश होकर वे उन्हें बैलगाड़ी से पाटणे गाँव ले गए। गाँववासी भी सन्यासी के निश्चय को सुनकर दंग रह गए।

शयोकर शास्त्री और बद्री काका उन्हें मंदिर में छोड़कर लौटने लगे, तो उन्हें लगा कि वे सन्यासी को अंतिम बार देख रहे हैं। सन्यासी उस सुनसान वन में बारह वर्ष तपस्यारत रहे। उनके प्रभाव से चारों ओर आध्यात्मिक वातावरण बन गया। गाँव के सीधे–सादे लोग उनसे बहुत प्रभावित हुए। शेर, चीता, बाघ आदि के बीच निर्भीक विचरण करने वाले उस सन्यासी का नाम था–स्वामी प्रणवानंद सरस्वती।

1- dkSu dc pkyhlxkao vk, Fks\

(क) अध्यापक, 1967 में

(ख) शिकारी, 1868 में

(ग) डाक्टर, 1867 में

(घ) सन्यासी, 1968 में

2- lU;klh fdlds ?kj x,\

(क) रामचंद्र शास्त्री

(ख) रविशंकर शास्त्री

(ग) शयोकर शास्त्री

(घ) रामकिशन शास्त्री

विद्यया च विमुच्यते SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

3- lU;klh us 'kkL=kh th ls D;k dgk\

(क) पहाड़ पर जाकर तपस्या करना चाहते हैं

(ख) पाटणे मंदिर में रहकर साधना करना चाहते हैं

(क) शिव मंदिर में रहकर साधना करना चाहते हैं

(घ) गाँव में हनुमान मंदिर बनवाना चाहते हैं

4- 'kkL=kh th lU;klh dks fdl /keçeh lTtu ds ikl ys x,\

(क) बद्री मामा

(ख) बद्री काका

(ग) बद्री फूफा

(घ) बद्री दादा

5- 'kkL=kh vkj cæh dkdk us lU;klh dks fdudk Hk; fn[kk;k\

(क) तलवार का

(ख) बंदूक का

(ग) हिंसक पशुओं का

(घ) डाकुओं का

SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

अपठित गद्यांश

साहस की ज़िंदगी सबसे बड़ी ज़िंदगी होती है। ऐसी ज़िंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि यह बिलकुल निडर और बेखौफ़ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस–पड़ोस को देखकर चलना, यह साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं।

साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है, जिन सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है, साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है। झुंड में चलना और झुंड में चरना, यह भैंस और भेड़ का काम है। सिंह तो बिल्कुल अकेला होने पर भी मगन रहता है।

अर्नाल्ड बेनेट एक जगह लिखा है कि जो आदमी यह महसूस करता है कि किसी महान निश्चय के समय वह साहस से काम नहीं ले सका, ज़िंदगी की चुनौती को कबूल नहीं कर सका, वह सुखी नहीं हो सकता।

1- lkgl dh ftnxh dh lcl cMh igpku D;k g\

(क) वह निष्पाप व निडर होती है

(ख) वह निश्शंक तथा निष्पाप होती है

(ग) वह निर्माम तथा बेखौफ़ होती है

(घ) वह निडर तथा बेखौफ़ होती है

2- ^tuer dh mi{kk* l y[kd dk D;k rkRi;l g\

(क) लोगों की राय की परवाह ना करना

(ख) लोगों से वोट की उम्मीद करना

(ग) लोगों की सहमति से चलना

(घ) लोगों के वोट की उपेक्षा करना

3- nfu;k dh okLrfod 'kfDr dku gkrk g\

(क) लोगों के साथ लेकर चलने वाला

(ख) लोगों के वोट से जीता हुआ व्यक्ति

(ग) निडर, साहसी और पक्षपाती

(घ) लोगों की परवाह न करने वाला

4- >M e pyuk vkj pjuk fdldk dke g\

(क) शेर और बाघ

(ख) हाथी और भैंस

(ग) भैंस और पेड़

(घ) भैंस और गाय

5- mi;Dr xn;k'k d fy, mi;Dr 'kh"kd gkxk&

(क) कर्मवीर

(ख) साहस की ज़िंदगी

(ग) ज़िंदगी के पहलू

(घ) सुखी व्यक्ति

विद्या च विमुच्यते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

नवम्बर

बिहारी (दोहे)

प्रश्न&1 काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए:

(क) कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में कहत हैं नैननु हीं सब बात।।

क. इस दोहे के कवि कौन हैं?

ख. लज्जा किसे आती है?

ग. लोगों से भरे भवन में आँखों के इशारों से कौन बातें कर रहा है?

घ. प्रस्तुत दोहे में किस अलंकार का प्रयोग किया है?

ङ प्रस्तुत दोहा किस रस से संबंधित है?

च. गुस्सा कौन होता है और क्यों?

(ख) बतरस–लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।

सौंह करै भौंहनु हँसै, दैन कहैं नटि जाइ।।

क. गोपियों ने कृष्ण जी से बात करने के लिए उनकी कौन–सी प्रिय वस्तु छिपा ली है?

ख. गोपियाँ मुरली से कौन–सा भाव रखती हैं और क्यों?

ग. गोपियों का भौहों –भौहों में हँसना क्या सिद्ध करता है?

घ. लालच–लाल में कौन–सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

ङ 'बातचीत का आनंद' कौन लेना चाहता है और क्यों?

प्रश्न&2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

क. बिहारी के दोहों के आधार पर श्रीकृष्ण की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

ख. बिहारी प्रभु–प्राप्ति के लिए क्या आवश्यक और क्या अनावश्यक मानते हैं?

विद्या च विमुच्यते SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

आत्मत्राण (रवींद्रनाथ ठाकुर)

प्रश्न&1 काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए:

(क) दुख रात्रि में करे वंचना
मेरी जिस दिन निखिल मही
उस दिन ऐसा हो करूणामय
तुम पर करूँ नहीं कुछ संशय।

क. करुणामय किसे कहा गया है?

ख. 'आत्मत्राण' कविता की रचना किसने की है?

ग. 'मही' ्शब्द के दो पर्यायवाची हैं:

घ. 'तुम पर करूँ नहीं कुछ संशय' का क्या आशय है?

ङ 'वंचना' ्शब्द का क्या अर्थ है?

(ख) विपदाओं से मुझे बचाओ, यह मेरी प्रार्थना नहीं
केवल इतना हो; करुणामय
कभी न विपदा में पाँऊ भय।
दुःख–ताप से व्यथित चित्त को न दो सांत्वना नहीं सही
पर इतना होवे; करुणामय
दुख को मैं कर सकूँ सदा जय।
कोई कहीं सहायक न मिले
तो अपना बल पौरुष न हिले,
हानि उठानी पड़े जगत् में लाभ अगर वंचना रही
तो भी मन में ना मानूँ क्षय।।

क. कवि ने ईश्वर को क्या कहकर संबोधित किया है:

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

ख. कवि की प्रार्थना सामान्य लोगों की प्रार्थना से किस प्रकार भिन्न है?

ग. कवि ईश्वर से क्या प्रार्थना कर रहे हैं?

घ. लोगों द्वारा धोखा दिए जाने पर कवि क्या करना चाहता है?

ङ 'दुख' और 'जय' का पर्यायवाची लिखिए।

प्रश्न&2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

क. हमें संकटों का सामना किस प्रकार करना चाहिए?

ख. 'आत्मत्राण' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

विद्यया च विमुच्यते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले (निदा फ़ाज़ली)

प्रश्न&1 गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर दीजिए:

(क) ग्वालियर में हमारा एक मकान था, उस मकान के दालान में दो रोशनदान थे। उसमें कबूतर के एक जोड़े ने घोंसला बना लिया था। एक बार बिल्ली ने उचककर दो में से एक अंडा तोड़ दिया। मेरी माँ ने देखा तो उसे दुख हुआ। उसने स्टूल पर चढ़कर दूसरे अंडे को बचाने की कोशिश की लेकिन इस कोशिश में दूसरा अंडा उसी के हाथ से गिरकर टूट गया। कबूतर परेशानी में इधर–उधर फड़फड़ा रहे थे। उनकी आँखों में दुख देखकर मेरी माँ की आँखों में आँसू आ गए। इस गुनाह को खुदा से माफ करने के लिए उसने पूरा दिन रोज़ा रखा। दिनभर कुछ खाया–पिया नहीं। सिर्फ़ रोती रही और बार–बार नमाज़ पढ़–पढ़कर खुदा से इस गलती को मुआफ़ करने की दुआ माँगती रहीं।

क. लेखक का घर कहाँ था? उसके घर में कौन–सी घटना घटी?

ख. लेखक की माँ के दुख का क्या कारण था?

ग. माँ ने अपने गुनाह को खुदा से माफ़ कराने के लिए क्या किया?

(ख) दुनिया कैसे वजूद में आई? पहले क्या थी? किस बिंदु से किसकी यात्रा शुरु हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी–अपनी तरह से। संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी–बड़ी दीवारें खड़ी कर दी है। पहले पूरा संसार एक परिवार की तरह था अब टुकड़ों में बँटकर एक दूसरे से दूर हो गया है। पहले बड़े–बड़े दालानों–आँगनों में सब मिल–जुलकर रहते थे अब छोटे–छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है।

क. पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

ख. धरती पर किसका अधिकार है?

ग. संसार पहले कैसा था? अब उसमें क्या परिवर्तन आ चुका है?

घ. लेखक इस गद्यांश में क्या संदेश देना चाहता है?

प्रश्न&2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

क. नूह कौन थे? वे जीवन भर क्यों रोते रहे?

ख. लेखक की माँ के स्वभाव पर प्रकाश डालिए।

SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

सपनों के–से दिन (गुरुदयाल सिंह)

प्रश्न&1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

क. उन दिनों बच्चों को स्कूल भेजने के विषय में माता–पिता की क्या धारणा होती थी?

ख. लेखक और उसके साथियों को पढ़ाई की अपेक्षा सस्ता सौदा क्या लगता था?

ग. पी.टी. सर के किस व्यवहार को लेखक ने चमत्कार कहा है?

घ. हेडमास्टर और पीटी सर के क्रोध के ढंग में क्या अंतर दिखाई देता है?

विद्यया च विमुच्यते SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

दिसम्बर

<u>पतझर में टूटी पत्तियाँ</u> (रवींद्र केलेकर)

(1) <u>गिन्नी का सोना</u>

प्रश्न&1 गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर दीजिएः

(क) व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं। लाभ–हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं। वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं। पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं? खुद ऊपर चढ़े और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें, यही महत्त्व की बात है। यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है। समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा कुछ है तो वह आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है। व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है।

क. पाठ और लेखक का नाम लिखो।

ख. व्यवहारवादी लोगों के स्वभाव की विशेषताएँ लिखो।

ग. कौन–सा काम केवल आदर्शवादी लोग ही कर पाते हैं?

घ. समाज को आदर्शवादी लोगों ने क्या दिया है?

(ख) चंद लोग कहते हैं, गांधीजी ''प्रैक्टिकल आइडियलिस्ट' थे। व्यावहारिकता को पहचानते थे। उसकी कीमत जानते थे। इसीलिए वे अपने विलक्षण आदर्श चला सके। वरना हवा में ही उड़ते रहते। देश उनके पीछे न जाता। हाँ, पर गाँधीजी कभी आदर्शों को व्यावहारिकता के स्तर पर उतरने नहीं देते थे। बल्कि व्यावहारिकता को आदर्शों के स्तर पर चढ़ाते थे। वे सोने में ताँबा नहीं बल्कि ताँबे में सोना मिलाकर उसकी कीमत बढ़ाते थे। इसलिए सोना ही हमेशा आगे आता रहता था।

क. 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' किसे कहते हैं?

ख. गाँधी जी आदर्श एवं व्यावहारिकता का समन्वय किस प्रकार करते थे?

ग. शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से क्यों की गई है?

प्रश्न&2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

क. आदर्शवादी किसे कहा जाता है? आदर्शवाद का क्या लाभ है?

ख. गांधी जी आदर्शवादी थे या व्यवहारवादी— तर्क सहित उत्तर दीजिए।

विद्यया च विभूयते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

(2) झेन की देन

प्रश्न&1 गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर दीजिए:-

(क) अक्सर हम या तो गुजरे हुए दिनों की खट्टी—मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते है। हम या तो भूतकाल में रहते हैं या भविष्य में। असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चला गया है, दूसरा आया ही नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते—पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। वर्तमान क्षण सामने था और वह अनंतकाल जितना विस्त त था।

क. अक्सर हम लोग किसमें उलझे रहते हैं?

ख. सत्य क्या है? स्पष्ट कीजिए।

ग. अनंतकाल जितना विस्त त क्या था? स्पष्ट कीजिए।

घ. गद्यांश में से द्वंद्व समास का एक उदाहरण छाँटिए।

प्रश्न&2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

क. 'झेन की देन' पाठ का संदेश स्पष्ट कीजिए।

ख. मनोरुग्णता का मूल कारण क्या होता है?

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

अपठित गद्यांश

छात्रों की तीन श्रेणियाँ होती हैं– पढ़ने वाले, न पढ़ने वाले औश्र पढ़ने जैसा दिखने वाले। तीसरी श्रेणी के छात्रा, जो कि किताबों में वक्त बर्बाद न करने के नाते नए ज़माने के लिहाज़ से बहुत व्यावहारिक होते हैं, शायद बाद में इनमें सबसे सफल भी सिद्ध होते हैं। वे जानते हैं कि पढ़ाई का सिर्फ नाम ज़रूरी है, काम तो दूसरी चीजों से ही नकलता है और वे इन्हीं दूसरी चीज़ों के मास्टर बन जाते हैं। वे हर समस्या का शार्टकट से इलाज करने में माहिर होते हैं। मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट के युग में भी उनकी प्रतिभा उसी अंदाज में कुसुमित और पल्लवित हो रही है, क्योंकि कंप्यूटर पर तो वैसे ही शॉर्टकट के इस्तेमाल से तेज काम होता है।

कंप्यूटर और इंटरनेट के युग में शैक्षणिक शोध के तौर– तरीके खुद एक बड़े शोध के विषय बन गए हैं। कोई भी विश्वविद्यालय कैसे उस शोध पर गर्व कर सकता है, जो वास्तव में इंटरनेट से चोरी किए गए हैं। जैसे–जैसे इंटरनेट का विस्तार हुआ है और उस पर मौजूद अथाह ज्ञानकोश विद्यार्थियों की पहुँच में आया है, कट–एंड–पेस्ट शोधकार्य आम हो गए हैं। शोध ही नहीं, प्राथमिक से लेकर स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं के प्रोजेक्ट और एसाइनमेंट के लिए इंटरनेट का अंधाधुध प्रयोग हो रहा है। किसी भी स्रोत से मिली सामग्री का संदर्भ के रू‍प में इस्तेमाल करना गलत नहीं है, लेकिन कई–कई पैराग्राफ और अध्याय उड़ाकर इस्तेमाल कर लेना बौद्धिक चोरी की श्रेणी में आता है। यह अनैतिक तो है ही, अपराध भी है और अपने संस्थान एवं स्वयं अपने साथ नाइंसाफ़ी भी।

1- y[kd u Nk=kk dk fdruh Jf.k;k e cjVk g\

(क) दो

(ख) तीन

(ग) चार

(घ) पाँच

2- bVjuV dk i;kx fdl dk; d fy, gk jgk g\

(क) शोधकार्य के लिए

(ख) शोधकार्य व एसाइनमेंट के लिए

(ग) एसाइनमेंट के लिए

(घ) शिक्षण के लिए

3- fdl J.kh d Nk=kk dk lQyrk ikIr gkrh g\

(क) पढ़ने वाले

(ख) परीक्षा के दिनों में दिन–रात एक करने वाले

(ग) पढ़ने–जैसा दिखने वाले

(घ) नकल करने वाले

4- dls 'kk/k ij fo'ofon;ky; dk xo gk ldrk g\

(क) जो इंटरनेट से लिया गया हो

(ख) जो पुराने छात्रा से कॉपी किया गया हो

(ग) जो किसी की मदद से तैयार किया हो

(घ) जो स्वयं तैयार किया गया हो

5- xn;k'k d fy, mi;Dr 'kh"kd gkxk&

(क) इंटरनेट चोरीः एक अपराध

(ख) शोधकार्य करने के तरीके

(ग) छात्रों की श्रेणियाँ

(घ) कंप्यूटर और इंटरनेट का युग

जनवरी

कर चले हम फ़िदा (कैफ़ी आज़मी)

प्रश्न&1 काव्यांश में पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिएः

(क) तुम सजाते ही रहना नए काफिले।
फतह का जश्न इस जश्न के बाद है
ज़िन्दगी मौत से मिल रही है गले।

क. कवि और कविता का नाम है–

ख. 'मौत' का विलोम शब्द उपर्युक्त पंक्तियों में से छाँटकर लिखिए।

ग. 'काफ़िले' से कवि का क्या तात्पर्य है?

घ. फतह का जश्न कब मनाया जाता है?

ङ 'जिंदगी मौत से मिल रही है गले' का क्या आशय है?

प्रश्न&2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

क. 'कर चले हम फ़िदा' गीत द्वारा हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

ख. सैनिकों की देश–वासियों से क्या अपेक्षाएँ होती हैं?

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

कारतूस (हबीब तनवीर)

प्रश्न&1 गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर दीजिए:

(क) उसके अफ़साने सुनके रॉबिनहुड के कारनामे याद आ जाते हैं। अंग्रेजों के खिलाफ़ उसके दिल में किस क़दर नफ़रत है। कोई पाँच महीने हुकूमत की होगी। मगर इस पाँच महीने में वो अवध के दरबार को अंग्रेजी असर से बिलकुल पाक कर देने में तक़रीबन कामयाब हो गया था।

क. किसके अफ़साने सुन कर किसे रॉबिन हुड के कारनामे याद आ जाते हैं और क्यों?

ख. वज़ीर अली ने कितने महीने हुकूमत की? इसके पीछे उनका उद्देश्य क्या था?

ग. अर्थ लिखें : खिलाफ़, हुकूमत, पाक, कामयाब

(ख) किस्सा क्या हुआ था उसको उसके पद से हटा देने के बाद हमने वज़ीर अली को बनारस पहुँचा दिया और तीन लाख रुपया सालाना वज़ीफा मुकर्रर कर दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता तलब किया। वज़ीर अली कंपनी के वकील के पास गया जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कलकत्ता में क्यों तलब करता है। वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की उलटा उसे भला–बुरा सुना दिया। वज़ीर अली के तो दिल में यूँ भी अंग्रेजों के खिलाफ़ नफ़रत कूट–कूटकर भरी है उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

क. उपर्युक्त पंक्तियाँ कौन किससे कह रहा है?

ख. वज़ीर अली को कलकत्ता किसने बुलाया और क्यों?

ग. उसने वकील को क्यों मार डाला?

प्रश्न&2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

क. कर्नल ने वज़ीर अली को हटाकर सआदत अली को गद्दी पर क्यों बिठाया?

ख. वज़ीर अली की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

विद्यया च विमुच्यते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

अपठित गद्यांश

सत्य हमारी कल्पना से गढ़ी गई कथाओं से कहीं अधिक विचित्रा और विस्मयकारी होता है, इस उक्ति का यह आदमी चलता–फिरता दृष्टांत है। मैं जब भी नैनीताल जाता हूँ, इनसे ज़रूर मिलता हूँ। अजीब–सा सुकून मिलता है, मुझे इनके पास बैठकर। कितने सरल–निष्कपट, कितने विनोदी और ज़िदादिल! कौन कहेगा, इस व्यक्ति ने ऐसी मर्मातक पीड़ाएँ झेली हैं! मुझे मेरे भाई ने बताया था, जो पिछले पचीस बरस से इनका सहयोगी है। एक ही स्कूल में पढ़ाते हैं, दोनों। जन्म देने वाली माँ ही जिसके प्रति इतनी निष्ठुर रही हो–अविश्वसनीयता की हद तक–उसके दुख की कहीं कोई थाह मिलेगी? इस दुख को पचा चुकाने के बाद फिर ऐसा कौन–सा दुख बचता है, जो आपको तोड़ सके।

माँ की ममता से वंचित (मातृहीन बालक की वंचना से भी कहीं अधिक तोड़ने वाली वेदना), पत्नी की सहानुभूति से भी वंचित, समाज में भी अपनी योग्यता और अर्जित सामर्थ्य से नीचे, बहुत नीचे के स्तर पर पूरी ज़िंदगी गुज़ार देने को अभिशप्त यह व्यक्ति आखिर किस पाताल–स्रोत से अपनी जिजीविषा और मानसिक संतुलन खींच पाता होगा। अच्छे–खासे यूनिवर्सिटी के प्रोफ़ेसरों को लजा दे, ऐसा इल्म और तेज़ दिमाग है इस स्कूल मास्टर का, पर उस असामान्य दिमाग का परिचय अपने–आप नहीं मिलेगा। बहुत उकसाए कोई, तभी मिलेगा। नहीं, अपने इल्म के प्रदर्शन में रत्ती भी रुचि नहीं। अपने ज़माने में हॉकी के बेहतरीन खिलाड़ी रह चुके वे, आज भी उसी युवकोचित उत्साह के साथ घंटों मैच देखते हैं– पूरे तादात्म्य और 'पैशन' के साथ।

1- lR; dYiuk l vf/kd fofp=k gksrk g] bldk ck/k y[kd dk dc gvk\

(क) नैनीताल घूमकर

(ख) अपने अध्यापक से मिलकर

(ग) अपने भाई के सहयोगी से मिलकर

(घ) अपने भाई से मिलकर

2- ekLVj th d Kku dk ifjp; ugh fey ikrk Fkk] D;kfd mUg&

(क) कोई जानकारी नहीं थी

(ख) इसके प्रदर्शन में रुचि नहीं थी

(ग) अपने भाई के सहयोगी से मिलकर

(घ) अपने भाई से मिलकर

3- ekLVj th dh ftanxh dk lcls cMk nq[k Fkk&

(क) वे गरीब थे

(ख) उनकी माँ निष्ठुर थीं

(ग) लोग उनका मज़ाक बनाते थे

(घ) उनके पिता नहीं थे

4- ekLVj th ds O;fDrRo dh izeq[k fo'ks"krk g&

(क) मानसिक संतुलन

(ख) जिजीविषा से भरपूर होना

(ग) ज्ञान का भंडार

(घ) उपरोक्त सभी

5- ^ft thfo"kk* 'kCn ls vk'k; g&

(क) जीवित प्राणी

(ख) मृत्यु चाहने वाला

(ग) जीने की इच्छा रखने वाला

(घ) दूसरों को जीवनदान देना

विद्यया च विमुच्यते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

अपठित गद्यांश

ज्ञान तभी उपयोगी होता है, जबकि हम उसका प्रयोग परिस्थिति, काल और स्थान के अनुसार करते हैं। ज्ञान के सिद्धांत तो हमारे संस्कारों का, सोचने की प्रणाली का अंग बन जाते हैं, परंतु वह कभी–कभी जीवन में ठीक से प्रयोग नहीं किए जाते। 'सदा सत्य बोलो' 'बड़ों का कहना मानो', 'कभी क्रोध न करो' जैसे सिद्धांत कब, कहाँ और कैसे प्रयुक्त किए जाने चाहिए, यह एक समस्या रहती है। किसी की जान बचाने के लिए झूठ बोलना सत्य से अधिक उपयोगी हो सकता है। अन्यायपूर्ण आज्ञा का विरोध, आज्ञापालन से श्रेष्ठ कहला सकता है और दुराचारी पर क्रोध करना और उसे दंड देना मंगलकारी हो सकता है। इस प्रकार परिस्थिति, काल और स्थान के अनुसार ज्ञान का प्रयोग कर सकने की क्षमता महत्वपूर्ण है। हमारे देश में व्यक्ति के विकास को सामाजिक विकास से इस प्रकार जोड़ा गया है कि दोनों को अलग–अलग करके देखा ही नहीं जा सकता। जीवन में ज्ञान और क्रिया का समन्वय ही सफल जीवन का आधार है। ज्ञान को परिस्थिति, काल और स्थान के अनुरूप ढालने का अर्थ ही यह है कि हम ध्यान को समाज से जोड़कर देखते रहे हैं। कर्म रहित जीवन ज्ञान के होते हुए भी बेकार है। सिद्धांत भेड़ियाँ बन जाते हैं। यदि उनका प्रयोग जीवन में न किया जाए।

1- fdl fLFkfr e Kku mi;kxh ugh g\

(क) उसका प्रयोग यदि परिस्थिति के अनुसार न किया जाए

(ख) उसका प्रयोग यदि पात्रों के अनुसार न किया जाए

(ग) उसका प्रयोग यदि स्थान के अनुसार न किया जाए

(घ) उसका प्रयोग यदि काल के अनुसार न किया जाए

2- fdlh dh tku cpku d fy, ckyk x;k >B&

(क) सत्य ही होता है

(ख) सत्य के समकक्ष नहीं हो सकता

(ग) सत्य से अधिक उपयोगी हो सकता है

(घ) झूठ ही रहता है

3- fuEufyf[kr es ls dku lh ckr dY;k.kdkjh rFkk J"B ugh g\

(क) अन्यायपूर्ण आज्ञा का विरोध करना

(ख) दुराचारी पर क्रोध करना और उसे दंड देना

(ग) किसी भी तरीके से धन कमाना

(घ) किसी की जान बचाने के लिए बोला गया झूठ

4- lQy thou dk vk/kkj g&

(क) ज्ञान का अनुसरण करना

(ख) निरंतर कर्म करते रहना

(ग) ज्ञान और क्रिया का समन्वय

(घ) ज्ञान के अभाव में भी कर्मरत रहना

5- Kku dk dky vkj LFkku d vu:i <kyu dk vFk g fd&

(क) हम ज्ञान के मार्ग पर चल रहे हैं

(ख) हमने ज्ञान का मार्ग छोड़ दिया है

(ग) हम ज्ञान को समाज के साथ जोड़कर देख रहे हैं

(घ) हम ज्ञान को समाज से काटकर देख रहे हैं

SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

फरवरी

टोपी शुक्ला (राही मासूम रज़ा)

प्रश्न&1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-

क. लेखक ने यह क्यों कहा कि शुक्ला के घर में बीसवी सदी प्रवेश कर चुकी थी?

ख. शुक्ला का सारा परिवार टोपी और इफ्फन की दोस्ती पर नाराज़ क्यों हुआ?

ग. स्पष्ट कीजिए कि मित्रता को मज़हब की दीवारों में कैद नहीं किया जा सकता?

अपठित गद्यांश

प्रश्न&1 निम्नलिखित गद्यांश में पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिएः-

स्वस्थ मन का निवास स्वस्थ शरीर में होता है। शरीर अस्वस्थ होने पर हम बौद्धिक कार्य भी नहीं कर पाते हैं। सामने सुस्वादु व्यंजन देखकर कौन उनका सेवन नहीं करना चाहता है? घर में समस्त सुविधाएँ होने पर जिन्हें अति परहेज का भोजन करना पड़ता है, वे ही जानते हैं किः

सकल पदारथ हैं जग माहीं।
कर्महीन नर पावत नाहीं।।

श्रमहीन शरीर की दशा जंग लगी हुई चाबी की तरह अथवा अन्य किसी उपयोगी वस्तु की तरह निष्क्रिय हो जाती है। शारीरिक श्रम वस्तुतः जीवन का आधार है, जीवंतता की पहचान है। योगाभ्यास में तो पहली शिक्षा होती है आसन आदि के रूप में शरीर को श्रमश्शीलता का अभ्यस्त बनाना।

महात्मा गांधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे। वह प्रत्येक आश्रम वासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से संबंधित प्रत्येक कार्य, सफाई तक स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम

विद्यया च विमुक्तते SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

नहीं करता है, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है। ऋषि–मुनियों ने कहा है–बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह वस्तुतः चोर है।

श्रम की अवज्ञा के परिणाम का सबसे ज्वलन्त उदाहरण है, हमारे देश में व्याप्त शिक्षित वर्ग की बेकारी। हमारा शिक्षित युवा वर्ग शारीरिक श्रमपरक कार्य करने से परहेज करता है वह यह नहीं सोचता है कि शारीरिक श्रम परिणामतः कितना सुखदायी होता है। पसीने से सिंचित व क्ष में लगने वाला फल कितना, मधुर होता है। 'दिन अस्त और मज़दूर मस्त' इसका भेद जानने वाले महात्मा ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों को यह परामर्श दिया था कि तुम केवल पसीने की कमाई खाओगे। पसीना टपकाने के बाद मन को संतोष और तन को सुख मिलता है, भूख भी लगती है और चैन की नींद भी आती है।

क. स्वस्थ मन का निवास स्वस्थ शरीर में होता है– ऐसा लेखक ने क्यों कहा है?

ख. श्रमहीन शरीर की दशा कैसी हो जाती है?

ग. महात्मा गांधी का क्या मानना था?

घ. शिक्षित वर्ग की बेकारी का क्या कारण है?

ङ महात्मा ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों को क्या परामर्श दिया था?

विद्यया च विमुच्यते SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

च. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

<u>अपठित गद्यांश</u>

छ. निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए – (i) जीवंतता (ii) विकसित

विद्यया च विमुच्यते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

ज. हमारे ऋषि–मुनियों ने क्या कहा है?

विद्यया च विमुच्यते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

प्रश्न&1 निम्नलिखित गद्यांश में पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिएः-

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि होली मुक्ति और मस्ती का त्यौहार है। साथ ही यह भी स्मरण रखना चाहिए कि मर्यादित मुक्ति और मस्ती की ज़िंदगी के लिए संजीवनी का कार्य करती है। कुंठाओं और मानसिक महामरियों की अचूक औषधि बाँटने आती है होली, जिसका प्रकट रूप ढोलक की गमक, फाग के राग और रंगों की बौछारों में देखने को मिलता है। वैसे तो रंग की एक सीमित क्षमता होती है। वह वसन को कुछ अधिक समय तक और तन को थोड़े समय तक रंगीन बनाकर रख सकता है। लेकिन जब इस रंग के साथ मन का रंग मिल जाता है, तब वह वसन और तन को भेदकर सीधे मन को रंग डालता है और वह रंग खुलता है तो है ही नहीं लेकिन फीका तक नहीं पड़ता मन की तरंग का नाम है प्यार। कहा जाता है कि प्यार को सुंदरता की तलाश रहती है। सुंदरता निर्मलता का ही दूसरा नाम है। यह इस बात का भी प्रतीक है कि ईश्वर पर विश्वास रखने वाले का आसुरी शक्तियाँ कोई अहित नहीं कर सकती। यह पर्व प्रह्लाद हिरण्यकश्यप और होलिका की पौराणिक कथा की याद कराता है। रंगों से धरती से आकाश तक को भरकर चारों ओर हँसी –मजाक, मौज–मस्ती, उल्लास के साथ–साथ पुरानी शत्रुता, आपसी भेदभाव को भुलाकर समरसता समानता स्थापित करने का अनोखा पर्व है होली।

क. होली कैसा त्यौहार है?

ख. रंगों की सीमित क्षमता का क्या अर्थ है?

ग. तन का रंग मन के रंग से किस प्रकार भिन्न है?

घ. होली किस प्रकार संजीवनी का कार्य करती है?

ङ होली का पर्व किस पौराणिक कथा से जुड़ा है?

च. गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

खंड 3 : रचना खंड

पत्र - लेखन

1. बेसिक शिक्षा अधिकारी को प्राइमरी शिक्षक के पद के लिए आवेदन–पत्र पत्र लिखिए।
2. अपने विद्यालय में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था हेतु प्रधानाचार्या को पत्र लिखिए।
3. ग्रीष्मावकाश में अंतर्सदन क्रिकेट मैच प्रतियोगिता का आयोजन करने की अनुमति माँगते हुए प्रधानाचार्या को पत्र लिखें।
4. प्रधानाचार्या को विद्यालय में कवि सम्मेलन के आयोजन हेतु निवेदन पत्र लिखिए।
5. आज के युग में हिंदी की उपयोगिता बताते हुए तथा नवीं कक्षा में हिंदी विषय के चयन का कारण बताते हुए विदेश में रहने वाले मित्र लिखिए।
6. खेल–दिवस पर पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी कपिलदेव को सम्मानित अतिथि के रुप में बुलाने की प्रार्थना करते हुए प्राधानाचार्या को पत्र लिखिए।
7. शैक्षिक सत्र 2014–15 प्रारंभ हो चुका है, किंतु बाज़ार में नई पाठ्य–पुस्तकें उपलब्ध नहीं है। इस समस्या को उठाते हुए किसी दैनिक पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।
8. समाचार–पत्र के संपादक के नाम पत्र लिखकर अपने क्षेत्र में चल रही बिजली की कटौती में सुधार के लिए अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कीजिए।
9. छात्रावास में रहते हुए आपसे अंजाने में कोई भूल हो गई है। प्रधानाचार्या को पत्र लिखकर उसे स्वीकार कीजिए और भविष्य में ऐसा न करने का आश्वासन दीजिए।
10. अपने क्षेत्र में गंदगी एवं बीमारी फैलने की सूचना देते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

अनुच्छेद-लेखन

1. **दया धर्म का मूल है-** (क) कहावत का अर्थ, (ख) दया और करुणा की भावना का स्वरुप, (ग) दया की भावना की आवश्यकता, (घ) दया दिखाने वाले कुछ उदाहरण।
2. **अनुशासन का महत्त्व-** (क) अनुशासन सफलता की कुंजी, (ख) प्रकृति में अनुशासन, (ग) समाज और राष्ट्र में अनुशासन (घ) उपसंहार।
3. **प्रतियोगिताओं का महत्त्व-** (क) प्रतियोगिताओं का बढ़ता प्रचलन, (ख) प्रतियोगिताओं की लाभ, (ग) हानियाँ, (घ) प्रतियोगिताओं का उचित मापदंड, (ङ) उपसंहार।
4. **स्वास्थ्य और व्यायाम-** (क) स्वस्थ मन और शरीर के लिए व्यायाम, (ख) स्वस्थ रहने के उपाय –साधन–लाभ, (ग) ध्यान रखने योग्य बातें।

5. **ग्लोबल वार्मिंग-** (क) ग्लोबल वार्मिंग का अर्थ, (ख) ग्लोबल वार्मिंग के खतरे उसके प्रभाव, (ग) बचाव हेतु उपाय

6. **दिशाहीन भारतीय युवा-पीढ़ी-**

– पढ़–लिखकर भी दिशाहीन

– बेरोज़गारों की लंबी पंक्ति

– अपराधियों की सूची में युवाओं की अधिकता

– रोज़गारपरक और नैतिक शिक्षा ज़रूरी

7. **प्लास्टिक की दुनिया-**

– कृत्रिम पदार्थों में से एक

– इसके गुण

– इसके दोष

– प्लास्टिक के क्षेत्र

8. **खेलों का व्यवसायीकरण-**

– खेल और व्यवसाय का बढ़ता मेल

– खेलों को लाभ

– खेलों को हानि

– व्यवसायीकरण, उचित या अनुचित

9. **ऐसी बानी बोलिए मन का आपा खोय-**

– वाणी की शक्ति

– वाणी की कठोरता तीर की तरह

– वाणी का संयम चरित्र का दर्पण

– ईश्वर का अनोखा वरदान

10. **<u>यदि मैं भारत का प्रधानमंत्री होता-</u>**

– प्रधानमंत्री बनने की इच्छा

– गरिमा से युक्त पद

– मंत्री पदों का विवेकपूर्ण वितरण

– जनता से संपर्क

– सेना के सभी अंगों, विदेशी व्यापार को मजबूत

11. **<u>परमाणु शक्ति संपन्न भारत-</u>**

– भारत का परमाणु शक्ति संपन्न बनना।

– कब और कैसे बना?

– विश्व की प्रतिक्रिया।

– भारत को लाभ।

12. **<u>विद्यार्थी जीवन और फैशन-</u>**

– फैशन का अभिप्राय

– विद्यार्थियों पर बढ़ते फैशन का प्रभाव

– फैशन के दुष्प्रभाव-समाधान

13. **<u>मेट्रो रेल-</u>**

– भूमिका

– परियोजना का आरंभ

विद्या च विमुच्यते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

– भारत की प्रगति का नमूना

– उपयोगिता एवं लोकप्रियता

विज्ञापन-लेखन

आज का युग विज्ञापन का युग है। दूरदर्शन के कार्यक्रम हों, या पत्र–पत्रिकाएँ हों या शहर की ऊँची दीवारें हों– सर्वत्र विज्ञापन नज़र आते हैं। विज्ञापन का उद्देश्य है– प्रचार–प्रसार द्वारा प्रचारकर्ता और आम जनता के बीच संपर्क स्थापित करना। बड़ी–बड़ी कंपनियाँ एवं उत्पाद अपने उत्पादनों को प्रचारित करने के लिए तरह–तरह के विज्ञापनों का सहारा लेते हैं। इस प्रकार विज्ञापन उत्पादक और उपभोक्ता के बीच सेतु का कार्य करते हैं। विज्ञापनों को देखकर ही हमें नई–नई वस्तुओं के बारे में जानकारी मिलती है। वस्तुओं का चुनाव करने में मदद मिलती है। विज्ञापन हमारे मन को निश्चित रूप से प्रभावित करते हैं।

विज्ञापन बनाते समय कुछ ध्यान देने योग्य बातें:

विज्ञापन के लिए बनाया गया चित्र रंगीन, स्प ट और आक र्षक होना चाहिए।

वस्तु की गुणवत्ता की सही जानकारी देनी चाहिए। बढ़ा–चढ़ाकर नहीं बताना चाहिए।

लुभावने द श्यों द्वारा उपभोक्ता को गुमराह नहीं करना चाहिए।

प्रस्तुतिकरण इतना आकर्षक होना चाहिए कि ग्राहक प्रेरित हो जाए और वस्तु को खरीद ले।

SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

अभ्यास कार्य

1- नहाने के साबुन का विज्ञापन बनाइए।

2- टूथपेस्ट का विज्ञापन बनाइए।

3- चॉकलेट का विज्ञापन बनाइए।

विद्या च विमुच्यते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

4- अपने विद्यालय का विज्ञापन बनाइए।

5- मोबाइल फोन का विज्ञापन बनाइए।

6- अपनी कार बेचने के लिए विज्ञापन बनाइए।

SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

7- टी.वी. के नए आने वाले कार्यक्रम का विज्ञापन बनाइए।

<u>संवाद-लेखन</u>

संवाद का शाब्दिक अर्थ है–बातचीत। यह शब्द सम्+वाद से बना है। दो या दो से अधिक लोगों में हो रहा वार्तालाप संवाद कहलाता है। नाटकों में संवाद का विशेष महत्त्व होता है। कक्षा में संवाद के माध्यम से छात्रों की मौखिक अभिव्यक्ति का विकास किया जाता है। संवाद में स्वाभाविकता का गुण पाया जाता है इसमें कोई बनावट नहीं होती। इस बातचीत का अपना आनंद होता है और दिल खोलकर बात की जाती है। हर पात्र अपनी स्थिति, मनोदशा तथा संस्कार के हिसाब से बोलता है। परंतु बातचीत एक कला भी है। ऐसी कला जिसमें अभ्यास से महारथ हासिल की जा सकती है। अनौपचारिक बातचीत में भी मर्यादा का ध्यान तो रखना ही चाहिए। ऐसी कोई बात नहीं की जानी चाहिए जिससे किसी के दिल को ठेस पहुँचे।

<u>संवाद के विषय में ध्यान रखने योग्य बातें-</u>

संवाद विषयानुकूल, अवसरानुकूल और भावानुकूल होने चाहिए।

हाव–भावों को बनाने का प्रयत्न करना चाहिए।

संवाद कथन में आरोह–अवरोह का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए तथा संवाद इतना तेज बोलना चाहिए कि वह स्पष्ट सुनाई दे।

संवाद कथन में संबोधन और अभिवादन का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए।

बातचीत में संबंधों की सुगंध(आत्मीयता) झलकनी चाहिए।

<u>अभ्यास कार्य</u>

1. लड़का–लड़की भेदभाव पर दो सहेलियों की बातचीत लिखिए।
2. वार्षिक परीक्षा की तैयारी के विषय में दो दोस्तों की वार्ता लिखिए।
3. कक्षा ग्यारहवीं में विषय के चुनाव को लेकर पिता और पुत्र/पुत्री के बीच हुए संवाद को लिखिए।
4. समाज में बढ़ते अपराध के बारे में दो पड़ोसियों की बातचीत को लिखिए।
5. गर्मी की छुट्टियों के विषय में दो छात्रों के संवाद लिखिए।
6. भारत और पाकिस्तान के बीच हो रहे क्रिकेट मैच के बारे में दो मित्रें की बातचीत लिखिए।
7. आप अपने शिक्षक से अपनी गलती की माफी माँगने गए हैं– दोनों के बीच का संवाद लिखिए।

सूचना-लेखन

सूचना बातचीत करने कर औपचारिक तरीका है। इसका उद्देश्य किसी विशेष समूह के लोगों को कोई जानकारी देना या उसकी घोषणा करना होता है। सूचना किसी सार्वजनिक स्थान या विद्यालय के सूचनापट पर लगाई जाती है। सरकार द्वारा ज़ारी की गई सूचनाएँ समाचार–पत्र में छपती हैं।

प्रारुप

संस्था का नाम जिसने सूचना जारी की हो।
शीर्षक 'सूचना' होना चाहिए।
सूचना के विषय में बताने वाला शीर्षक।
तिथि, समय और स्थान।
सूचना की विषय–वस्तु।
सूचना जारी करने वाले का नाम और पद।
संपर्क किसे करना है–नाम, टेलीफोन, ई–मेल

ऑफिस/संस्था का नाम

तिथिः सूचनाश

शीर्षक

यह सूचित किया जाता है कि .... (विषय–वस्तु)

हस्ताक्षर

सूचना जारी करने वाले का नाम और पद

दूरभाषः ई–मेलः मोबाइलः

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

ध्यान देने योग्य बातें

एक अच्छी लिखी हुई सूचना पाठकों को निम्न पाँच बातें अवश्य बताती है।

- क्या होने वाला है? (कार्यक्रम/आयोजन)
- कहाँ होने वाला है?
- किससे संपर्क करना है?
- कब होने वाला है? (तिथि और समय)

– सिर्फ महत्त्वपूर्ण बिंदु ही लिखे जाने चाहिए।

– उपर्युक्त प्रश्नों से संबंधित अन्य कोई जानकरी।
– वाक्य छोटे तथा व्याकरणिक द ष्टि से सही और सटीक होने चाहिए।
– अन्य पुरूषवाचक सर्वनाम(जीपतक चमतेवद) में होने चाहिए।
– सूचना को एक बॉक्स में ही प्रस्तुत करना चाहिए।
– सूचना–लेखन की शब्द–सीमा 20–30 शब्द है। (सिर्फ विषय–वस्तु के शब्दों की गिनती होती है।)
– सूचना में दी जाने वाली जानकारी स्पष्ट होनी चाहिए, इससे किसी प्रकार की ग़लतफहमी नहीं होनी चाहिए।
– यह पाठकों का ध्यान आकर्षित करने वाली होनी चाहिए।
– सिर्फ मानक संक्षिप्त रुपों का प्रयोग होना चाहिए।
– मोटी छपाई(इवसक समजजमते), आकर्षक नारों, शब्दों और वाक्यांशों के प्रयोग से अपनी प्रस्तुति को आकर्षक बनाएँ।

<u>सूचना-लेखन के कुछ महत्त्वपूर्ण बिंदुः</u>

सभा

तिथिः

समयः

स्थानः

उद्देश्यः

कारणः

किसे भाग लेना हैः

संपर्क किसे करना हैः

विशेष निर्देशः

खोया और पाया

सामान खोया/पायाः

तिथिः

समयः

स्थानः

पहचान–चिह्नः

सामान की जानकारीः

संपर्क किसे करना हैः

कब और कहाँः

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL विद्यया च विमुच्यते

कार्यक्रम

नामः

तिथिः

अवसरः

समयः

स्थानः

योग्यताः

संपर्क किए जाने वाले का पताः

विशेष निर्देशः

टूर/कैंप/प्रदर्शनी

नाम और प्रकारः

अवसरः

स्थानः

तिथिः

उद्देश्यः, जानकारी, निमंत्रण, अपीलः

प्रवेश निःशुल्कः

समय या अवधिः

संपर्क किए जाने वाले का पताः

विशेष निर्देश (क्या करना है और क्या नहीं):

कुछ उदाहरणः

संस्कृति विद्यालय

सूचना

तिथिः 10 जुलाई 2015

संध्या तारा

हमारा विद्यालय ''संध्यातारा'' व द्धाश्रम के लिए धनराशि एकत्र करने हेतु एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसमें एक न त्य–नाटिका, मूक अभिनय, जादू का खेल तथा कुछ अन्य मनोरंजक कार्यक्रम शामिल करने की योजना है। इच्छुक विद्यार्थी सांस्कृतिक सचिव को 20 जुलाई 2013 तक नाम अवश्य दे दें।

एस.वालिया

संदीप वालिया

सचिव सांस्कृतिक समिति

संस्कृति विद्यालय,नई दिल्ली

सूचना

तिथिः 10 जुलाई 2015

मिला-एक खेल के सामान का थैला।

एक खेल के सामान का थैला विद्यालय के खेल– मैदान में 10 अप्रैल 2013 को खाने के अवकाश के समय पाया गया है। जिसने भी अपना लाल रंग का खेल के सामान का थैला जिसमें बड़े–बड़े पॉकेट भी हैं, खोया हो वह उसे 12 अप्रैल तक खेल सचिव से ले सकता है।

पार्थ

पार्थ सारथी मिश्रा

खेल सचिव

<u>अभ्यास कार्य:</u>

1. 'कैमलिन प्राइवेट इंडिया लिमिटेड' खुली चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित करने जा रही है। दिन, दिनांक, समय, आयु आदि का वर्णन करते हुए एक सूचना तैयार कीजिए।

2. आप कक्षा आठवीं के छात्र कृश हैं और आपने विद्यालय परिसर में एक मँहगी घड़ी खो दी है। विद्यालय के सूचना–पट पर घड़ी के बारे में बताते हुए तथा वाज़िब इनाम की घोषणा करते हुए लगभग पचास शब्दों में एक सूचना लिखिए।

3. 'राष्ट्रीय विज्ञान और तकनीकी दिवस' के अवसर पर संस्कृति स्कूल ने एक 'विज्ञान–प्रदर्शनी' आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस प्रदर्शनी की व्यवस्था से संबंधित चर्चा करने के लिए विज्ञान–समिति के सचिव विकास, सभी कार्यकारी सदस्यों की एक सभा बुलाना चाहते हैं। इस विषय में लगभग पचास शब्दों में एक सूचना लिखिए।

4. आप संस्कृति विद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'संवित' के छात्र संपादक हैं। इस पत्रिका के लिए रोचक लेख, कहानियाँ, कार्टून, कविताएँ, चुटकुले और स्तंभ आदि देने में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए लगभग तीस शब्दों में एक सूचना लिखिए।

5. संस्कृति विद्यालय के खेल–परिसर में शीत–मेले का आयोजन हो रहा है। प्रधानाचार्या ने आपको सांस्कृतिक–समिति के सचिव होने के नाते सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों को इस मेले में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए लगभग तीस शब्दों में एक सूचना लिखिए।

अलंकार

प्रश्न&1 अलंकार किसे कहते हैं?

प्रश्न&2 उत्प्रेक्षा अलंकार की पहचान कराने वाले शब्द कौन-कौन से होते हैं?

प्रश्न&3 उपमा अलंकार वाचक शब्द कौन-कौन से होते हैं?

SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

प्रश्न&4 निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिएः-

(क) तब तो बहता समय शिला सा जम जाएगा ....

(ख) आए महंत वसंत ....

(ग) चँवर सद श डोल रहे सरसों के सर अनंत ....

(घ) सिंधु–सा विस्त त और अथाह ....

(ङ) दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता ....

(च) निपट निरंकुस निठुर निसंकू ....

(छ) जगकर सजकर रजनी बाले! ....

(ज) मिटा मोदु मन भए मनीलें ....

(झ) बहता, कहता, कुलकुल कलकल, कलकल ....

(ञ) वही उठती उर्मियों सी शैलमालाएँ ....

(ट) तीन बेर खातीं थीं वे तीन बेर खाती हैं ....

(ठ) तो पर वारौं उरबसी सुन राधिके सुजान।
तू मोहन के उर बसी है उरबसी समान।। ....

(ड) कबिरा सोई पीर है जे जाने पर पीर ....

(ढ) आयौ आयौ सुनत ही सिव सरजा तुत नाँव
वैरि नारि द ग जलन सौ बूद्धि जाति अरि गाँव। ....

(ण) आगे नदिया पड़ी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार
राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार ....

(त) उषा सुनहले तीर बरसती जय लक्ष्मी सी उचित हुई ....

(थ) मुख बाल रवि सम लाल होकर
ज्वाला–सा बोधित हुआ ....

(द) राम नाम मनि दीप धरू जीह देहरी द्वार ....

(ध) जग दीपक युग जलती बाती ....

(न) सोने का कलस लिए उषा चली आ रही ....

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

(प) सागर चरण पखारे शीश गंगा चढ़ावै नीर ....

(फ) रघुपति राघव राजा राम। पतित पावन सीता राम।। ....

(ब) चारू चंद्र की चंचल किरणें, खेल रही हैं जल थल में ....

(भ) अति अगाधु अति औघरो नदी कूप सरू बाई। ....

(म) सुनि सनेहमय मंजुल बानी।
सकुचि सीय मन महुँ मुसुकानी।। ....

(य) सोभा सिंधु न अंत रही री। ....

(र) ओ नियति तू सुन रही है? ....

(ल) बातन भुरइ राधिका भोरी ....

(व) मोको तौ रामु कौ नाम कलपतरू ....

(श) सहज सुभाय सुभग तन गोरे
नाम लखनु, लघु देवर मोरे ....

(ष) वह मेरा अपनी साँस–सा पहचाना है ....

(स) घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते ....

(ह) जो नत हुआ वह म त हुआ
ज्यों व त से झरकर कुसुम ....

विद्या च विमुच्यते
SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

SET - 1

Series : TYM/C

कोड नं. 4/1

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर–पुस्तिका के मुख–प ष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित प ष्ठ 4 हैं।
- प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर–पुस्तिका के मुख–प ष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में 15 प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम ब)

(Coruse B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे
Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 80
Maximum Marks : 80

SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

सामान्य निर्देशः

(i) इस प्रश्न–पत्र के **चार खंड** हैं–**क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक ख्ंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड-क

1- निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 9

एक स्वस्थ व्यक्ति की परिभाषा कुछ शब्दों में बताना कठिन है। किसी को क्षणिक देखने भर से नहीं कहा जा सकता कि वह नितांत स्वस्थ है या रुग्ण है। कोई व्यक्ति देखने में मोटा–ताजा, रूप–सौन्दर्य से युक्त भले ही हो सकता है लेकिन यह जरूरी नहीं कि वह शारीरिक तौर पर हर तरह से स्वस्थ होगा। वास्तव में व्यक्ति का बाह्य रूप उसकी अन्तः शक्ति को एक झलक में प्रदर्शित नहीं कर पाता। यद्यपि कभी–कभी विषाद और अर्न्दन्द्व का भाव व्यक्ति के मुख पर छलक जाता है, उसी तरह हृदय की प्रसन्नता–छाप भी मुख पर दिखाई दे जाती है। ये दोनों प्रसन्नता और वेदना के भाव परिवर्तनशील होते हैं। इन स्थितियों में भी अधिकता–न्यूनता का परिवर्तन होता रहता है। वास्तव में ये वे हृदय–आवेग है, जो हमें हमारे बाह्य प्रभाव से प्राप्त होते हैं। इन दोनों प्रभावों को संबंध मनुष्य के स्वास्थ्य से होता है। विभिन्न प्रकार की बीमारियाँ आदमी के शरीर को क्षति तो पहुँचाती ही हैं, उसके मनोबल को भी कमज़ोर कर देती हैं।

व्यक्ति का अच्छा स्वास्थ्य एक लंबी प्रक्रिया के फलस्वरूप प्राप्त होता है। अच्छे स्वास्थ्य वाला व्यक्ति अपने देनन्दिन कार्य बड़ी कुशलता के साथ कर लेता है। कृश तन वाला व्यक्ति भी स्वस्थ हो सकता है और स्थूलकाय व्यक्ति भी रोगी हो सकता है। शारीरिक संचरना से किसी के अच्छे या खराब स्वास्थ्य का पता नहीं चलता। अच्छे स्वास्थ्य वाला व्यक्ति वही होता है जिसमें अपने कार्य करने की क्षमता हो, स्फूर्ति हो, ऊर्जा हो और वह आलस्य रहित हो। ऐसा व्यक्ति अपनी कार्यक्षमता के बल पर अपने कार्य यथासमय निपटा लेता है, उसका चिंतन सकारात्मक होता है और किसी भी काम के लिए अन्य के भरोसे नहीं रहता। इसीलिए कहा जाता है कि–''स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है।''

(क) अच्छे स्वास्थ्य के क्या–क्या लाभ हैं? 2

(ख) स्वस्थ व्यक्ति किसे माना जाता है और क्यों? 2

(ग) व्यक्ति की मुख–छवि किन आवेशों के कारण बदलती रहती है? 2

(घ) लेखक स्वस्थ शरीर में किसका निवास मानता है, इसके क्या करण हो सकते हैं? 2

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए ? 1

2- निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

जीवन अपना मंदिर है मानव अपना भगवान है
धरती का हर कोना अपना प्यारा हिंदुस्तान है।

लिखता है जो छंद फसल के अपने हल की फाल से
करता है अर्चना धरा की खुरपी और कुदाल से,
बोता है श्रम के खेतों में दाना स्वर्ण विहान का
नयी फसल से भर देता है आँचल जो सुनसान का

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

उसका सुख, उसका दुख अपनी गीता और कुरान है
उसके चरणों की हर रेखा अपना तीर्थ स्थान है।
उसकी हर आवाज़ हमारी पूजा–पाठ–अजान है।
धरती का हर कोना अपना प्यारा हिंदुस्तान है।

(क) कवि ने भारतीय किसान के लिए क्या–क्या कहा है? उसे अपने शब्दों में लिखिए। 2

(ख) भारत के बारे में कवि क्या उद्‌गार है? 2

(ग) कवि अपना मंदिर, भगवान, तीर्थ और पूजा–नमाज किन्हें मानता है? 2

खंड-ख

3- (क) **शब्द और पद में उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।** 2

(ख) **निम्नलिखित वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए।**

(i) सूर्य उदय होने पर तुम जाग जाना। (मिश्र वाक्य) 1

(ii) वह कविता याद करो और सुनाओ। (सरल वाक्य) 1

(iii) गायक गाना गाने के साथ–साथ बाँसुरी भी बजाता है। (संयुक्त वाक्य) 1

4- (क) **समस्त पद बनाइए और समास का नाम भी लिखिए।**

(i) समय के अनुसार 1

(ii) देह रूपी लता 1

(ख) **विग्रह करके समास का नाम लिखिए:-**

(i) दशानन 1

(ii) दाल–भात 1

5- (क) **निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:-**

(i) बाजार से एक फूल की माला लानी है। 1

(ii) इंडिया गेट में जुलूस निकाला गया। 1

(iii) आप कब आओगे? 1

(iv) मेरे को अपना ग हकार्य करना है। 1

(ख) (i) **रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा कीजिए:-**

पुत्र के अनुत्तीर्ण होने का समाचार सुनकर पिताजी .... हो गए। 1

(ii) 'चिकना घड़ा' – मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1

खंड-ग

6- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-** 2+2+1=5

(क) 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर बड़े भाई के स्वभाव की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ख) तताँरा को निकोबारी लोग उसके किन गुणों के कारण बेहद प्यार करते थे?

(ग) 'डायरी का पन्ना' में किस प्रमुख घटना का उल्लेख है?

7- **''झेन की देन''** पाठ के आधार पर चा–नोयू विधि का विस्तार से वर्णन कीजिए। 5

अथवा

रूढ़ियाँ कब बुराई का रूप धारण कर लेती हैं? उनसे छुटकारा कैसे पाया जा सकता है? 'ततॉंरा वामीरो' पाठ के आधार पर लिखिए।

8- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-**

(क) ''कहि है सबु तेरौ हियौ'' दोहे के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है? 5

(ख) कवि ने सबको एक होकर चलने की प्रेरणा क्यों और किसके हित में दी है? 2

(ग) कवि ने कुर्बानियों की राह किसे कहा है? 1

9- **''कर चले हम फिदा''** कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते है? कविता की दो विशेषताएँ लिखिए। 5

अथवा

'मनुष्यता' कविता के आधार पर आदर्श मानवता पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

10- विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए **'सपनों के-से दिन'** पाठ में अपनाई गई युक्तियों को ध्यान में रखकर वर्तमान में इसके लिए संशोधित कदम उठाए गए हैं। इस विषय में अनुशासन के पालन हेतु अपने विचार प्रकट कीजिए। 5

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

अथवा

'टोपी शुक्ला' पाठ में इफ्फन और टोपी की मैत्री के द्वारा क्या संदेश दिया गया है? वर्तमान संदर्भों में उसकी उपयोगिता समझाइए।

खंड-घ

11- निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर 80 से 100 शब्दोंः 5

(क) अपनी मात भाषा

परिचय विशेषताएँ क्या करें

(ख) घर में शौचालय

शौचालय की जरूरत अच्छे स्वास्थ्य का प्रतीक शौचालय बनाने से लाभ

(ग) कामकाजी की महिलाएँ

काम करने की आवश्यकता महिला–पुरूष में समानता निहित कठिनाइयाँ

12- आपके क्षेत्र में बिजली की अनियमितताओं की शिकायत करने हेतु क्षेत्रीय विद्युत अधिकारी को प्रार्थना–पत्र लिखिए। 5

अथवा

राज्य परिवहन की बस में आपके आवश्यक पत्र, प्रमाणपत्र आदि से भरा बैग छूट गया हे। खोए हुए सामान की प्राप्ति के लिए परिवहन अधिकरी को सूचित करते हुए पत्र लिखिए।

13- आपके विद्यालय में होने वाली 'वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता' में भाग लेने हेतु छात्रों के लिए 25&30 शब्दों में सूचना लिखिए। 5

अथवा

मुहल्ला समिति के सचिव की ओर से कॉलोनी में आयोजित होने वाले 'दिवाली मेला' की सूचना लिखिए।

14- पिता और पुत्र एक खिलौने की दुकान पर खड़े हैं। उन दोनों के बीच खिलौने खरीदने से संबंधित संवाद लगभग 50 शब्दों में लिखिए। 5

15- आप अपनी दो वर्ष पहले खरीदी बाईक बेचना चाहते हैं, उससे संबंधित 25 से 50 शब्दों का विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

अथवा

आप अपने परिवार के लिए एक उपयुक्त घर किराए पर लेना चाहते हैं। उससे संबंधित 25 से 50 शब्दों का विज्ञापन तैयार कीजिए।

SET - 3

Series : TYM/C

कोड नं. 4/3

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर–पुस्तिका के मुख–प ष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित प ष्ठ 4 हैं।
- प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर–पुस्तिका के मुख–प ष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में 15 प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम ब)

(Coruse B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 80

Time allowed : 3 hours Maximum Marks : 80

SANSKRITI
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

सामान्य निर्देशः

(i) इस प्रश्न–पत्र के **चार खंड** हैं–**क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक ख्ंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड-क

1- निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः 9

एक स्वस्थ व्यक्ति की परिभाषा कुछ शब्दों में बताना कठिन है। किसी को क्षणिक देखने भर से नहीं कहा जा सकता कि वह नितांत स्वस्थ है या रुग्ण है। कोई व्यक्ति देखने में मोटा—ताजा, रूप—सौन्दर्य से युक्त भले ही हो सकता है लेकिन यह जरूरी नहीं कि वह शारीरिक तौर पर हर तरह से स्वस्थ होगा। वास्तव में व्यक्ति का बाह्य रूप उसकी अन्तः शक्ति को एक झलक में प्रदिर्शित नहीं कर पाता। यद्यपि कभी—कभी विषाद और अन्तर्द्वन्द्व का भाव व्यक्ति के मुख पर छलक जाता है, उसी तरह हृदय की प्रसन्नता—छाप भी मुख पर दिखाई दे जाती है। ये दोनों प्रसन्नता और वेदना के भाव परिवर्तनशील होते हैं। इन स्थितियों में भी अधिकता—न्यूनता का परिवर्तन होता रहता है। वास्तव में ये वे हृदय—आवेग हैं, जो हमें हमारे बाह्य प्रभाव से प्राप्त होते हैं। इन दोनों प्रभावों का संबंध मनुष्य के स्वास्थ्य से होता है। विभिन्न प्रकार की बीमारियाँ आदमी के शरीर को क्षति तो पहुँचाती ही हैं, उसके मनोबल को भी कमज़ोर कर देती हैं।

व्यक्ति का अच्छा स्वास्थ्य एक लंबी प्रक्रिया के फलस्वरूप प्राप्त होता है। अच्छे स्वास्थ्य वाला व्यक्ति अपने देनन्दिन कार्य बड़ी कुशलता के साथ कर लेता है। कृश तन वाला व्यक्ति भी स्वस्थ हो सकता है और स्थूलकाय व्यक्ति भी रोगी हो सकता है। शारीरिक संचरना से किसी के अच्छे या खराब स्वास्थ्य का पता नहीं चलता। अच्छे स्वास्थ्य वाला व्यक्ति वही होता है जिसमें अपने कार्य करने की क्षमता हो, स्फूर्ति हो, ऊर्जा हो और वह आलस्य रहित हो। ऐसा व्यक्ति अपनी कार्यक्षमता के बल पर अपने कार्य यथासमय निपटा लेता है, उसका चिंतन सकारात्मक होता है और किसी भी काम के लिए अन्य के भरोसे नहीं रहता। इसीलिए कहा जाता है कि—''स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है।''

(क) व्यक्ति की मुख—छवि किन आवेगों के कारण बदलती रहती है? 2

(ख) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए? 1

(ग) अच्छे स्वाथ्य के क्या—क्या लाभ हैं? 2

(घ) लेखक स्वस्थ शरीर में किसका निवास मानता है, इसके क्या करण हो सकते हैं? 2

(ङ) स्वस्थ व्यक्ति किसे माना जाता है और क्यों? 2

2- निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

जीवन अपना मंदिर है मानव अपना भगवान है
धरती का हर कोना अपना प्यारा हिंदुस्तान है।

लिखता है जो छंद फसल के अपने हल की फाल से
करता है अर्चना धरा की खुरपी और कुदाल से,
बोता है श्रम के खेतों में दाना स्वर्ण विहान का
नयी फसल से भर देता है आँचल जो सुनसान का

उसका सुख, उसका दुख अपनी गीता और कुरान है
उसके चरणों की हर रेखा अपना तीर्थ स्थान है।
उसकी हर आवाज़ हमारी पूजा–पाठ–अजान है।
धरती का हर कोना अपना प्यारा हिंदुस्तान है।

(क) भारत के बारे में कवि क्या उद्‌गार है? 2

(ख) कवि ने भारतीय किसान के लिए क्या–क्या कहा है? उसे अपने शब्दों में लिखिए। 2

(ग) कवि अपना मंदिर, भगवान, तीर्थ और पूजा–नमाज किन्हें मानता है? 2

खंड-ख

3- (क) **निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:-**

(i) मेरे को अपना ग हकार्य करना है। 1

(ii) आप कब आओगे? 1

(iii) इंडिया गेट में जुलूस निकाला गया। 1

(iv) बाजार से एक फूल की माला लानी है। 1

(ख) (i) **रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा कीजिए:-**

पुत्र के अनुत्तीर्ण होने का समाचार सुनकर पिताजी .... हो गए। 1

(ii) 'चिकना घड़ा' – मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1

4- (क) **शब्द और पद में उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।** 2

(ख) **निम्नलिखित वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए।**

(ii) वह कविता याद करो और सुनाओ। (सरल वाक्य) 1

(iii) गायक गाना गाने के साथ–साथ बाँसुरी भी बजाता है। (संयुक्त वाक्य) 1

(i) सूर्य उदय होने पर तुम जाग जाना। (मिश्र वाक्य) 1

5- (क) **समस्त पद बनाइए और समास का नाम भी लिखिए।**

(i) समय के अनुसार 1

(ii) देह रूपी लता 1

(ख) **विग्रह करके समास का नाम लिखिए:-**

(i) दशानन 1

(ii) दाल–भात

खंड-ग

6- 'टोपी शुक्ला' पाठ में इफ्फन और टोपी की मैत्री के द्वारा क्या संदेश दिया गया है? वर्तमान संदर्भों में उसकी उपयोगिता समझाइए। 5

अथवा

विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए **'सपनों के-से दिन'** पाठ में अपनाई गई युक्तियों को ध्यान में रखकर वर्तमान में इसके लिए संशोधित कदम उठाए गए हैं। इस विषय में अनुशासन के पालन हेतु अपने विचार प्रकट कीजिए।

7- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-** 2+2+1=5

(क) 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर बड़े भाई के स्वभाव की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ख) तताँरा को निकोबारी लोग उसके किन गुणों के कारण बेहद प्यार करते थे?

(ग) 'डायरी का पन्ना' में किस प्रमुख घटना का उल्लेख है?

8- **''कर चले हम फिदा''** कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते है? कविता की दो विशेषताएँ लिखिए। 5

अथवा

'मनुष्यता' कविता के आधार पर आदर्श मानवता पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

9- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-**

(क) ''कहि है सबु तेरौ हियौ'' दोहे के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है? 5

(ख) कवि ने सबको एक होकर चलने की प्रेरणा क्यों और किसके हित में दी है? 2

(ग) कवि ने कुर्बानियों की राह किसे कहा है? 1

10- **''झेन की देन''** पाठ के आधार पर चा–नोयू विधि का विस्तार से वर्णन कीजिए। 5

अथवा

रूढ़ियाँ कब बुराई का रूप धारण कर लेती हैं? उनसे छुटकारा कैसे पाया जा सकता है? 'तताँरा वामीरो' पाठ के आधार पर लिखिए।

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

खंड-घ

11- निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर 80 से 100 शब्दों: 5

(क) कामकाजी की महिलाएँ

काम करने की आवश्यकता महिला–पुरूष में समानता निहित कठिनाइयाँ

(ख) घर में शौचालय

शौचालय की जरूरत | अच्छे स्वास्थ्य का प्रतीक | शौचालय बनाने से लाभ

(ग) अपनी मात भाषा

परिचय | विशेषताएँ | क्या करें

12- मुहल्ला समिति के सचिव की ओर से कॉलोनी में आयोजित होने वाले 'दिवाली मेला' की सूचना लिखिए। 5

अथवा

आपके विद्यालय में होने वाली 'वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता' में भाग लेने हेतु छात्रों के लिए 25&30 शब्दों में सूचना लिखिए।

13- पिता और पुत्र एक खिलौने की दुकान पर खड़े हैं। उन दोनों के बीच खिलौने खरीदने से संबंधित संवाद लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

14- आपके क्षेत्र में बिजली की अनियमितताओं की शिकायत करने हेतु क्षेत्रीय विद्युत अधिकारी को प्रार्थना–पत्र लिखिए। 5

अथवा

राज्य परिवहन की बस में आपके आवश्यक पत्र, प्रमाणपत्र आदि से भरा बैग छूट गया हे। खोए हुए सामान की प्राप्ति के लिए परिवहन अधिकरी को सूचित करते हुए पत्र लिखिए।

15- आप अपने परिवार के लिए एक उर्पयुक्त घर किराए पर लेना चाहते हैं। उससे संबंधित 25 से 50 शब्दों का विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

अथवा

आप अपनी दो वर्ष पहले खरीदी बाईक बेचना चाहते हैं, उससे संबंधित 25 से 50 शब्दों का विज्ञापन तैयार कीजिए।

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

SET - 2

Series : TYM/C

कोड नं. 4/2

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर–पुस्तिका के मुख–प ष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित प ष्ठ 4 हैं।
- प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर–पुस्तिका के मुख–प ष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में 15 प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिन्दी
HINDI
(पाठ्यक्रम ब)
(Coruse B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक : 80

Time allowed : 3 hours | Maximum Marks : 80

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

सामान्य निर्देशः

(i) इस प्रश्न–पत्र के **चार खंड** हैं–**क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक ख्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड-क

1- निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

जीवन अपना मंदिर है मानव अपना भगवान है
धरती का हर कोना अपना प्यारा हिंदुस्तान है।

लिखता है जो छंद फसल के अपने हल की फाल से
करता है अर्चना धरा की खुरपी और कुदाल से,
बोता है श्रम के खेतों में दाना स्वर्ण विहान का
नयी फसल से भर देता है आँचल जो सुनसान का

उसका सुख, उसका दुख अपनी गीता और कुरान है
उसके चरणों की हर रेखा अपना तीर्थ स्थान है।
उसकी हर आवाज़ हमारी पूजा–पाठ–अजान है।
धरती का हर कोना अपना प्यारा हिंदुस्तान है।

(क) भारत के बारे में कवि क्या उद्गार है? 2

(ख) कवि ने भारतीय किसान के लिए क्या–क्या कहा है? उसे अपने शब्दों में लिखिए। 2

(ग) कवि अपना मंदिर, भगवान, तीर्थ और पूजा–नमाज किन्हें मानता है? 2

2- निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 9

एक स्वस्थ व्यक्ति की परिभाषा कुछ शब्दों में बताना कठिन है। किसी को क्षणिक देखने भर से नहीं कहा जा सकता कि वह नितांत स्वस्थ है या रुग्ण है। कोई व्यक्ति देखने में मोटा–ताजा, रूप–सौन्दर्य से युक्त भले ही हो सकता है लेकिन यह जरूरी नहीं कि वह शारीरिक तौर पर हर तरह से स्वस्थ होगा। वास्तव में व्यक्ति का बाह्य रूप उसकी अन्तः शक्ति को एक झलक में प्रदिर्शित नहीं कर पाता। यद्यपि कभी–कभी विषाद और अन्तर्द्वन्द्व का भाव व्यक्ति के मुख पर छलक जाता है, उसी तरह हृदय की प्रसन्नता–छाप भी मुख पर दिखाई दे जाती है। ये दोनों प्रसन्नता और वेदना के भाव परिवर्तनशील होते हैं। इन स्थितियों में भी अधिकता–न्यूनता का परिवर्तन होता रहता है। वास्तव में ये वे हृदय–आवेग हैं, जो हमें हमारे बाह्य प्रभाव से प्राप्त होते हैं। इन दोनों प्रभावों का संबंध मनुष्य के स्वास्थ्य से होता है। विभिन्न प्रकार की बीमारियाँ आदमी के शरीर को क्षति तो पहुँचाती ही हैं, उसके मनोबल को भी कमज़ोर कर देती हैं।

व्यक्ति का अच्छा स्वास्थ्य एक लंबी प्रक्रिया के फलस्वरूप प्राप्त होता है। अच्छे स्वास्थ्य वाला व्यक्ति अपने देनन्दिन कार्य बड़ी कुशलता के साथ कर लेता है। कृश तन वाला व्यक्ति भी स्वस्थ हो सकता है और स्थूलकाय व्यक्ति भी रोगी हो सकता है। शारीरिक संचरना से किसी के अच्छे या खराब स्वास्थ्य का पता नहीं चलता। अच्छे स्वास्थ्य वाला व्यक्ति वही होता है जिसमें अपने कार्य करने की क्षमता हो, स्फूर्ति हो, ऊर्जा हो और वह आलस्य रहित हो। ऐसा व्यक्ति अपनी कार्यक्षमता के बल पर अपने कार्य यथासमय निपटा लेता है, उसका चिंतन सकारात्मक होता है और किसी भी काम के लिए अन्य के भरोसे नहीं रहता। इसीलिए कहा जाता है कि–''स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है।''

SANSKRITI THE CIVIL SERVICES SCHOOL

(क) व्यक्ति की मुख–छवि किन आवेगों के कारण बदलती रहती है? 2

(ख) लेखक स्वस्थ शरीर में किसका निवास मानता है, इसके क्या करण हो सकते हैं?2

(ग) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए? 1

(घ) अच्छे स्वाथ्य के क्या–क्या लाभ हैं? 2

(ङ) स्वस्थ व्यक्ति किसे माना जाता है और क्यों? 2

खंड-ख

3- (क) **विग्रह करके समास का नाम लिखिएः**

(i) दशानन 1

(ii) दाल–भात 1

(ख) **समस्त पद बनाइए और समास का नाम भी लिखिएः**

(i) देह रूपी लता 1

(ii) समय के अनुसार 1

4- (क) (i) 'चिकना घड़ा' – मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1

(ii) **रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा कीजिएः-**

पुत्र के अनुत्तीर्ण होने का समाचार सुनकर पिताजी .... हो गए। 1

(ख) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिएः-

(i) मेरे को अपना ग हकार्य करना है। 1

(ii) इंडिया गेट में जुलूस निकाला गया। 1

(iii) बाजार से एक फूल की माला लानी है। 1

(iv) आप कब आओगे? 1

5- (क) **निम्नलिखित वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए।**

(i) वह कविता याद करो और सुनाओ। (सरल वाक्य) 1

(ii) सूर्य उदय होने पर तुम जाग जाना। (मिश्र वाक्य) 1

(iii) गायक गाना गाने के साथ–साथ बाँसुरी भी बजाता है। (संयुक्त वाक्य) 1

(ख) **शब्द और पद में उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।** 2

खंड-ग

6- 'टोपी शुक्ला' पाठ में इफ्फन और टोपी की मैत्री के द्वारा क्या संदेश दिया गया है? वर्तमान संदर्भों में उसकी उपयोगिता समझाइए। 5

अथवा

विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए **'सपनों के-से दिन'** पाठ में अपनाई गई युक्तियों को ध्यान में रखकर वर्तमान में इसके लिए संशोधित कदम उठाए गए हैं। इस विषय में अनुशासन के पालन हेतु अपने विचार प्रकट कीजिए।

7- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-**

(क) ''कहि है सबु तेरौ हियौ'' दोहे के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है? 2

(ख) कवि ने कुर्बानियों की राह किसे कहा है? 1

(ख) कवि ने सबको एक होकर चलने की प्रेरणा क्यों और किसके हित में दी है? 2

8- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-** 2+2+1=5

(क) 'डायरी का पन्ना' में किस प्रमुख घटना का उल्लेख है?

(ख) 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर बड़े भाई के स्वभाव की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ग) तताँरा को निकोबारी लोग उसके किन गुणों के कारण बेहद प्यार करते थे?

9 रूढ़ियाँ कब बुराई का रूप धारण कर लेती हैं? उनसे छुटकारा कैसे पाया जा सकता है? 'तताँरा वामीरो' पाठ के आधार पर लिखिए। 5

अथवा

''झेन की देन'' पाठ के आधार पर चा–नोयू विधि का विस्तार से वर्णन कीजिए।

10- 'मनुष्यता' कविता के आधार पर आदर्श मानवता पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

''कर चले हम फिदा'' कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते है? कविता की दो विशेषताएँ लिखिए।

खंड-घ

11- आपके विद्यालय में होने वाली 'वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता' में भाग लेने हेतु छात्रों के लिए 25&30 शब्दों में सूचना लिखिए। 5

अथवा

मुहल्ला समिति के सचिव की ओर से कॉलोनी में आयोजित होने वाले 'दिवाली मेला' की सूचना लिखिए।

12- आप अपने परिवार के लिए एक उर्पयुक्त घर किराए पर लेना चाहते हैं। उससे संबंधित 25 से 50 शब्दों का विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

अथवा

आप अपनी दो वर्ष पहले खरीदी बाईक बेचना चाहते हैं, उससे संबंधित 25 से 50 शब्दों का विज्ञापन तैयार कीजिए।

13- पिता और पुत्र एक खिलौने की दुकान पर खड़े हैं। उन दोनों के बीच खिलौने खरीदने से संबंधित संवाद लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

14- निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर 80 से 100 शब्दोः 5

(क) घर में शौचालय

शौचालय की जरूरत अच्छे स्वास्थ्य का प्रतीक शौचालय बनाने से लाभ

(ख) कामकाजी की महिलाएँ

काम करने की आवश्यकता महिला–पुरूष में समानता निहित कठिनाइयाँ

(ग) अपनी मात भाषा

परिचय विशेषताएँ क्या करें

15- राज्य परिवहन की बस में आपके आवश्यक पत्र, प्रमाणपत्र आदि से भरा बैग छूट गया हे। खोए हुए सामान की प्राप्ति के लिए परिवहन अधिकरी को सूचित करते हुए पत्र लिखिए। 5

अथवा

आपके क्षेत्र में बिजली की अनियमितताओं की शिकायत करने हेतु क्षेत्रीय विद्युत अधिकारी को प्रार्थना–पत्र लिखिए।